उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

# बी पी एस न्यूज

सच का साथी.....

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः 22 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 29 जून-2026



अंदर के पृष्ठ पर | आरपीएफ दरोगा के साहस और चेतना ने बचाई युवक की जान 8 | देश भर के आस्थावान लोगों का चंदा चोरी...यह दुखद और शर्मनाक : प्रियंका गांधी 5

# धूप, लू और उमस का ट्रिपल अटैक

# दिल्ली में 50 C महसूस हुई गर्मी

## दोपहर एक-दो बजे लोगों को गर्म हवा के थपेड़ों का भी अहसास हुआ

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में रविवार को भीषण गर्मी और उमस से लोग बेहाल नजर आए। दिल्ली में असल तापमान के मुकाबले गर्मी अधिक महसूस की गई। दिल्ली में अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, लेकिन हीट इंडेक्स यानी महसूस होने वाला तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

ज्यादातर इलाकों में सुबह से ही तेज धूप निकली। दिन चढ़ने के साथ धूप और तेज होती गई। धूप के चलते दिन में 11 बजे के बाद से ही लोगों का घरों से निकलना मुश्किल होने लगा। दोपहर एक-दो बजे लोगों को गर्म हवा के थपेड़ों का भी अहसास हुआ। हालांकि, बाद में कुछ स्थानों पर हल्के बादलों की आवाजाही हुई। इसके बावजूद मौसम गर्म बना रहा। इसके अलावा, रविवार के दिन इस महीने की पहली लू चली।

दिन के साथ-साथ दिल्ली में रात के तापमान में भी इजाफा हुआ है। सफदरजंग मौसम केंद्र में न्यूनतम तापमान 31.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 3.2 डिग्री ज्यादा है। यह इस महीने की सबसे गर्म रात रही। इससे पहले 27 जून 30.8, 11 जून को न्यूनतम तापमान 30 डिग्री दर्ज किया गया था। इस महीने में सिर्फ तीन दिन ही ऐसे रहे हैं, जब न्यूनतम तापमान 30 या उससे ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, दिल्ली में 27 जून मानसून आगमन की आधिकारिक तिथि है। इसके बावजूद दिल्ली और आसपास के इलाके से मानसून अभी काफी दूर है। इसका असर मौसम पर देखने को मिल रहा है। मानसून आगमन के दिन 16 साल में दिल्ली का तापमान सबसे ज्यादा दर्ज किया गया।

मानसून के आगमन की सामान्य तिथि 27 जून है। मानसून की गतिविधियां आसपास होने के चलते आमतौर पर इस समय तक तापमान 40 डिग्री के नीचे आ जाता है। मौसम विभाग के 16 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो वर्ष 2026 से पहले केवल साल 2019 में ही 27 जून को अधिकतम तापमान 41 डिग्री से ऊपर था।

दिल्ली में अगले छह दिनों तक मौसम का मिजाज बदला-बदला रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार, 29 को अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 28 से 30 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। वहीं, मौसम विभाग की भविष्यवाणी है कि 2 जुलाई से उत्तर-पश्चिम भारत पर एक नए पश्चिमी विक्षोभ दस्तक देगा। इसका असर देर रात या फिर 30 जून की सुबह देखने को मिल सकता है।

### 30 जून और 1 जुलाई को बारिश का यलो अलर्ट जारी

**मौसम विभाग की भविष्यवाणी है कि 30 जून से मौसम में और बदलाव देखने को मिलेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री रहने का अनुमान है, जबकि दोपहर और शाम के समय हल्की बारिश हो सकती है। ऐसे में हवा के झोंके 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। 1 जुलाई को तापमान घटकर 35 से 37 डिग्री और 2 जुलाई को 34 से 36 डिग्री तक रहने का अनुमान है। इन दोनों दिन आसमान में आमतौर पर बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम विभाग ने दोनों दिन बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, 3 और 4 जुलाई को भी मौसम इसी तरह बना रहेगा। अधिकतम 33 से 35 डिग्री और न्यूनतम तापमान 21 से 23 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।**

## राम मंदिर चंदा चोरी: नौकरी छोड़ संघ से जुड़े, आपातकाल में 18 माह जेल में रहे

### नगीना के सरायमीर में चंपत राय का पैतृक निवास

» बीपीएस न्यूज

बिजनौर ।अयोध्या के श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में चोरी की बात सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय बंसल बिजनौर जिले के नगीना के रहने वाले हैं। उन्होंने प्रवक्ता पद छोड़ दिया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़ गए। वह आपातकाल में जेल भी गए।

18 नवंबर 1946 को जनपद बिजनौर के नगीना में मोहल्ला सरायमीर के रामेश्वर प्रसाद और सावित्री देवी के घर जन्मे चंपत राय करीब साढ़े चार दशक पहले श्रीराम मंदिर आंदोलन में हिस्सा लेने व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए थे और नगीना में परिवार को छोड़ दिया था। वह दस भाई-बहनों में दूसरे नंबर के हैं

।नगीना के सरायमीर में चंपत राय का पैतृक निवास चंपत राय के भाई संजय बंसल बताते हैं कि उनकी प्राथमिक शिक्षा कस्बे के प्राथमिक पाठशाला से हुई। हिंदू इंटर कॉलेज से इंटरमीडिएट किया। वर्ष 1967 में मेरठ कॉलेज, मेरठ से बीएससी और 1969 में एमएससी वर्धमान कॉलेज बिजनौर से करने के बाद 1970-71 में रोहतक के एक डिग्री कॉलेज में पढ़ाया।उसके उपरांत 1972 में आरएसएम कॉलेज धामपुर (बिजनौर) में भौतिक विज्ञान के प्रवक्ता बन गए। वर्ष 1980-81 में उन्होंने प्रवक्ता पद से इस्तीफा देकर खुद को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के साथ जोड़ लिया।

25 जून, 1975 को जब देश में आपातकाल लगा तो चंपत राय आरएसएम कॉलेज धामपुर में प्रवक्ता थे। पुलिस उन्हें गिरफ्तार करने कॉलेज पहुंची तो प्राचार्य के कक्ष में उन्हें बुलवाया गया। उस समय वे कक्षा में विद्यार्थियों को पढ़ा रहे थे। प्राचार्य कक्ष में पुलिस से उन्होंने कहा कि घर से वे कपड़े लेकर पुलिस कोतवाली पहुंच रहे हैं। घर आने पर माता-पिता कोतवाली तक साथ गए। करीब 18 महीने तक जेल में रहे।

मोहल्ला सराय मीर में बर्तन की छोटी सी दुकान चलाने वाले चंपत राय के भाई सुनील बंसल चंपत राय पर लगे आरोपों को राजनैतिक दुर्भावना से ग्रसित बताते हैं। उनका कहना है कि उन्होंने राम मंदिर आंदोलन व देशसेवा के लिए घर, परिवार व नौकरी का त्याग किया। उनका कहना है कि उनके इस्तीफे की खबर से उन्हें बहुत पीड़ा हुई है।

## अमेरिका-ईरान के बीच फिर बढ़ा तनाव, ईरान के 10 ठिकानों पर किए बड़े हमले

वाशिंगटन। वाशिंगटन और तेहरान के बीच चल रहा तनाव एक बार फिर चरम पर पहुंच गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के निर्देश पर अमेरिकी सेना ने ईरान के 10 सैन्य ठिकानों पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए हैं। इस कार्रवाई ने दोनों देशों के बीच हुए हालिया युद्धविराम समझौते को बेहद कमजोर कर दिया है और क्षेत्र में एक बड़े युद्ध का खतरा फिर से मंडराने लगा है।अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर इस सैन्य कार्रवाई की पुष्टि की है। सेना के मुताबिक, अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने खाड़ी क्षेत्र में ईरानी सेना के सर्विलांस इंफ्रास्ट्रक्चर (निगरानी प्रणाली), कम्युनिकेशन सिस्टम, एयर डिफेंस साइट्स, ड्रोन स्टोरेज और माइन बिछाने की क्षमता वाले ठिकानों को निशाना बनाया। ये सभी हमले रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण 'स्ट्रेट ऑफ होर्मुज' और उसके आसपास के इलाकों में किए गए हैं।इस सैन्य कार्रवाई के तुरंत बाद राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर सख्त चेतावनी जारी की। ट्रंप ने लिखा कि अमेरिका ने युद्धविराम समझौते का बार-बार उल्लंघन करने पर ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकानों के साथ-साथ तटीय रडार केंद्रों को तबाह कर दिया है। उन्होंने बेहद कड़े लहजे में कहा कि एक वक्त ऐसा आ सकता है जब अमेरिका के लिए संयम रखना मुमकिन नहीं होगा ।

## सऊदी के रास तनुरा में भीषण हादसा: अरामको का हेलिकॉप्टर क्रैश, सभी 14 यात्रियों की दर्दनाक मौत

» बीपीएस न्यूज

सऊदी । अरब के रास तनुरा में अरामको कंपनी का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी 14 लोगों की मौत हो गई। रविवार सुबह हुए इस हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए सऊदी ऊर्जा मंत्रालय ने जांच के आदेश दे दिए हैं।रविवार सुबह करीब छह बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। इस भीषण हादसे में हेलिकॉप्टर पर सवार सभी 14 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्रालय के एक आधिकारिक सूत्र के हवाले से सरकारी समाचार एजेंसी ने इस दर्दनाक हादसे की पुष्टि की है।

**सभी मृतक सऊदी नागरिक**

सऊदी प्रेस एजेंसी (एसपीए) के मुताबिक, इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी 14 लोग सऊदी अरब के ही नागरिक थे। यह दुर्घटना रास तनुरा क्षेत्र में हुई, जो फारस की खाड़ी के तट पर स्थित सऊदी अरामको का एक बेहद महत्वपूर्ण तेल और औद्योगिक हब माना जाता है। ऊर्जा मंत्रालय ने इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं और सहानुभूति प्रकट की हैं।

**हादसे के कारणों की जांच शुरू**

मंत्रालय ने बताया कि दुर्घटना के तुरंत बाद संबंधित अधिकारियों को काम पर लगा दिया गया है। हेलिकॉप्टर के क्रैश होने के असली कारणों का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल प्रशासन की ओर से हेलिकॉप्टर के मॉडल या इस बात की जानकारी साझा नहीं की गई है कि इस हादसे से अरामको के तेल परिचालन असर पड़ा है या नहीं।

**दुनिया की सबसे बड़ी तेल कंपनी है सऊदी अरामको**

सऊदी अरामको दुनिया की सबसे बड़ी तेल और गैस कंपनियों में से एक है, जिसका मालिकाना हक सऊदी अरब की सरकार के पास है। सऊदी अरब की पूरी अर्थव्यवस्था और कमाई काफी हद तक इसी कंपनी पर टिकी हुई है।

**कैसे हुई शुरुआत?**

इस कंपनी की शुरुआत साल 1933 में अमेरिकी कंपनियों के साथ मिलकर एक समझौते के तहत हुई थी। इसके बाद, साल 1980 में सऊदी सरकार ने इसे पूरी तरह अपने कंट्रोल में ले लिया। आज इस कंपनी का मुख्यालय सऊदी अरब के धहरान शहर में है।

रिकॉर्ड तोड़ उत्पादन÷ अरामको के पास दुनिया का सबसे बड़ा तेल का खजाना है। यह हर दिन लाखों बैरल कच्चे तेल का उत्पादन करती है और पूरी दुनिया को ऊर्जा सप्लाई करती है।

## भूकंप से तबाही बढ़ी, हताहतों की संख्या 1,430 पहुंची

काराकास (वेनेजुएला। वेनेजुएला में हाल ही में आए दो शक्तिशाली भूकंप के झटकों से लाखों लोग संकट में हैं। मृतकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिग्ज ने शनिवार को देश के भूकंप प्रभावित उत्तर-मध्य इलाके के हालात का ताजा विवरण दुनिया के साथ साझा किया। उन्होंने कहा कि 24 जून को आए भूकंप से मरने वालों की आधिकारिक संख्या बढ़कर 1,430 हो गई है और 3,238 लोग घायल हुए हैं।रोड्रिग्ज ने देश के नाम संबोधन में कहा कि इस त्रासदी में 3,142 परिवार बेघर हो गए हैं और भूकंप से प्रभावित सात राज्यों में बनाए गए अस्थायी शेल्टर में उनकी देखभाल की जा रही है। हम इन वेनेजुएला के नागरिकों के परिवारों और उनके चाहने वालों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।इसके अलावा कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ने सरकारी टेलीविजन पर कहा कि 10 और देशों की बचाव टीमें जल्द ही राहत अभियान में शामिल होंगी।

उन्होंने कहा कि ला ग्वाइरा में सुरक्षा व्यवस्था और स्वच्छता कार्यों के लिए 14 हजार सैनिकों और पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। भूकंप के केंद्र मोरोन और ला ग्वाइरा के कुछ हिस्सों में अब भी बिजली आपूर्ति बाधित है।बताया गया है कि वेनेजुएला के तटीय शहर ला ग्वाइरा में कम से कम 100 आवासीय बहुमंजिला इमारतें पूरी तरह या आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं। स्थानीय लोगों और स्वयंसेवकों का कहना है कि भारी मशीनों की कमी और राहत कार्यों की धीमी गति के कारण बचाव अभियान प्रभावित हो रहा है।

## बड़ी साजिश हुई नाकाम: मुहर्रम के जुलूस में इम्युनिटी बूस्टर के नाम पर बांटा जा रहा था चूहे मारने का जहर

» बीपीएस न्यूज

मुंबई । मुहर्रम के जुलूस के दौरान शुक्रवार को एक बहुत बड़ी त्रासदी होने से बाल-बाल बच गई। पुलिस ने ऐन वक्त पर मुस्तैदी दिखाते हुए एक ऐसे शख्स को दबोच लिया, जो भीड़ में जहर की गोलियां बांट रहा था। भायखला इलाके से फैयाज प्रेमजी नाम के इस आरोपी को हिरासत में लिया गया है। यह एक्शन तब हुआ जब उसकी दी हुई गोलियां खाने के बाद करीब एक दर्जन लोग अचानक बीमार पड़ गए।

जांच में सामने आया है कि इन कैप्सूल्स में 'जिंक फॉस्फाइड' नाम का एक बेहद खतरनाक केमिकल मिलाया गया था, जिसका इस्तेमाल चूहे मारने वाले जहर में होता है। पुलिस कस्टडी में आरोपी प्रेमजी ने अपना गुनाह कबूल करते हुए चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने बताया कि उसका इरादा उस दिन जुलूस में शामिल हजारों लोगों को जहर देकर मारने का था। बीती रात कोर्ट ने आरोपी को दो दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।आरोपी फैयाज प्रेमजी रे रोड पर रहमताबाद कब्रिस्तान के पास आशूरा के जुलूस में शामिल लोगों को ये गोलियां बांट रहा था। उसने भारी भीड़ का फायदा उठाते हुए इन जहरीली गोलियों को पेनकिलर और इम्युनिटी बूस्टर बताकर लोगों को दे दिया। गोलियां खाने के बाद कम से कम 11 लोगों की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें तुरंत पास के हॉस्पिटल ले जाया गया। राहत की बात यह है कि अब सभी खतरे से बाहर हैं। बीमार पड़े लोगों में से एक सलमान सैयद ने बताया कि गोली खाने के बाद उसके पेट में तेज दर्द और उल्टी होने लगी थी।

डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस जयंत मीणा ने कन्फर्म किया कि आरोपी ने कैप्सूल्स में खतरनाक जिंक फॉस्फाइड मिक्स किया था और उसके पास दवाइयां बांटने का कोई लीगल लाइसेंस या अथॉराइजेशन नहीं था। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए आरोपी के पास से करीब 14,900 कैप्सूल्स का स्टॉक जब्त कर लिया है। शुरुआती जांच के मुताबिक, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी काफी मात्रा में ये गोलियां लोगों को बांट चुका था। इतना ही नहीं, डीसीपी मीणा ने बताया कि आरोपी ने 30,000 खाली कैप्सूल्स और 50 किलो फास्फोरस का ऑर्डर भी पहले से दे रखा था।शुक्रवार को एक बड़ी तबाही को रोकने का पूरा क्रेडिट तीन महिला वॉलेंटियर्स को जाता है। इनमें से एक महिला ने आरोपी को बेहद संदेहास्पद तरीके से गोलियां बांटते हुए स्पॉट किया था। महिलाओं ने तुरंत उसे रोका और पुलिस को इन्फॉर्म किया। इसके साथ ही लाउडस्पीकर पर अनाउंसमेंट करके लोगों को वो गोलियां न खाने की वॉर्निंग दी गई। जब महिलाओं ने आरोपी से पूछताछ की, तो उसने इसे इम्युनिटी बूस्टर बताया। लेकिन शक होने पर महिलाओं ने एक कैप्सूल को खोलकर देखा, जिसके अंदर पाउडर मिला। उन्होंने तुरंत पुलिस को बुलाया और प्रेमजी को मौके पर ही पकड़वा दिया।पूछताछ में आरोपी ने कबूला, ÷मैं जुलूस में शामिल कम से कम 15,000 लोगों को जान से मारना चाहता था।÷ पुलिस ने बताया कि आरोपी एक बीबीए ग्रेजुएट है और उसकी फॉरेन ट्रेवल हिस्ट्री भी सामने आई है। एक सीनियर अफसर के मुताबिक, वह पहले ईरान और इराक भी जा चुका है। भायखला पुलिस स्टेशन में उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (ख्नहृस्) की धारा 123 (जहर आदि देकर चोट पहुंचाना) के तहत केस दर्ज किया गया है।

## अखिलेश के बयान पर योगी का पलटवार: बोले- रामलला का दर्शन करें शायद सद्बुद्धि आ जाए

» बीपीएस न्यूज

मुख्यमंत्री योगी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के उस बयान पर पलटवार किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि यूपी में सपा की सरकार आने पर अयोध्या को विश्वस्तरीय धार्मिक नगरी के रूप में विकसित किया जाएगा।

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश जी, अयोध्या को रामभक्तों ने सजाया है। आप रामलला के दर्शन कर लो। शायद सद्बुद्धि आ जाए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर कड़ा प्रहार किया है। सीएम ने कहा कि अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाने की बात करने वालों को पहले अपना इतिहास देखना चाहिए। जिस समाजवादी पार्टी की सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई, राम जन्मभूमि आंदोलन का विरोध किया, कृष्ण जन्माष्टमी के आयोजनों पर रोक लगाई और कांवड़ यात्रा तक प्रतिबंधित कर दी, वह आज अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाने की बात कर रही है।

मुख्यमंत्री रविवार को हाथरस में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का बयान पढ़कर आश्चर्य हुआ, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनकी सरकार बनने पर अयोध्या को धार्मिक नगरी बनाया जाएगा। उन्होंने कहा, अरे, आप क्या धार्मिक नगरी बनाएंगे। पहले अपना इतिहास देखिए। आपकी ही समाजवादी पार्टी की सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलाई थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज अयोध्या त्रेता युग की स्मृतियों को साकार करती दिखाई दे रही है। रामभक्तों के परिश्रम और पुरुषार्थ से अयोध्या विश्वभर के श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी है। ऐसे में अब समाजवादी पार्टी को भी अयोध्या की याद आने लगी है।

**अखिलेश यादव ने ये दिया था बयान**

सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा था कि हम सत्यनिष्ठा के साथ यह संकल्प लेते हैं कि नई सरकार बनाकर अयोध्या को एक ऐसी अनुपम-अनुकरणीय धार्मिक नगरी के रूप में विकसित करेंगे, जहां विश्वभर से आए श्रद्धालु सच्ची आध्यात्मिकता की अद्वितीय अनुभूति करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रभु के आशीर्वाद के साथ हम अयोध्या के सनातन मान को आस्था-श्रद्धा, अखंड विश्वास और सच्ची भावना के सियाराम-धाम के रूप में पुनर्स्थापित और पल्लवित करेंगे। इससे अयोध्यावासियों के भी परंपरागत गौरवभान और अधिकारों को पुनः स्थापित करेंगे।

**कब्रिस्तानों की नहीं, मंदिरों की आवश्यकता है**

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने थानों और जेलों में होने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के कार्यक्रम तक बंद करा दिए थे। कांवड़ यात्रा पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। अब हाथरस में 22 से अधिक मंदिरों का सौंदर्यीकरण कराया गया है, लेकिन यह कार्य समाजवादी सरकार में कभी संभव नहीं था। तब यही पैसा कब्रिस्तानों की बाउंड्रीवाल बनाने में खर्च होता था।

हमने वही पैसा मंदिरों की ओर डायवर्ट किया है। कब्रिस्तानों की नहीं, मंदिरों की आवश्यकता है क्योंकि मंदिर हमारी आस्था के केंद्र हैं।

## अपनी बात....

### संपादकीय .....

# कमजोर मानसून का विकास दर पर असर

कमजोर मानसून और अल-नीनो के खतरे के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण को मजबूत करना होगा। भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक 'सुरक्षा कवच' की तरह है।

आरबीआई द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण-पश्चिम मानसून के कमजोर रहने से देश की कृषि और विकास दर पर असर पड़ सकता है। इस समय जून माह में समय से पीछे चल रहे मानसून ने खरीफ फसलों को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। अभी तक करीब 42 प्रतिशत बारिश कम होने से नकदी फसलें कपास और सोयाबीन बुवाई के आरंभिक दौर में पिछड़ गई हैं।

ऐसे में कृषि तथा अर्थव्यवस्था के सामने अल-नीनो और कमजोर मानसून से सूखे की आशंका तथा महंगाई की चुनौतियां उभरकर दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के विश्व मौसम विभाग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि वर्ष 2026 में भारत अल-नीनो से अत्यधिक प्रभावित होगा। कमजोर मानसून और सूखे की स्थिति कृषि, जल आपूर्ति और महंगाई के परिदृश्य पर चुनौतियां निर्मित करते हुए दिखाई देगी।इससे पहले वर्ष 2015 में भारत में अत्यधिक कम बारिश रिकॉर्ड की गई थी, उस समय मानसून सामान्य से लगभग 13 प्रतिशत कम था। इस वर्ष मानसून के दौरान अल-नीनो की स्थिति मजबूत होने की वजह से बारिश अत्यधिक कम होगी। इतना ही नहीं, जलाशयों के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है। यह परिदृश्य भारत द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान लक्षित विकास दर को बनाए रखने के लिए एक चुनौती दिखाई दे रहा है।

नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 प्रतिशत सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है। सीडब्ल्यूएमआई के अनुसार, लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल-संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मानसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है।

मौजूदा परिदृश्य देश के वर्तमान सुकूनदायक कृषि क्षेत्र के समक्ष एक चुनौती बनकर दिखाई दे रहा है। कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा।

कमजोर मानसून और अल-नीनो के खतरे के पूर्वानुमान के बीच खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए खाद्य भंडारण को मजबूत करना होगा। भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक 'सुरक्षा कवच' की तरह है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वर्ष 2008 की वैश्विक मंदी में भी भारत की अर्थव्यवस्था खाद्यान्न ताकत के कारण बहुत कम प्रभावित हुई। इतना ही नहीं, कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। इसलिए गेहूं के आगामी किसी भी नए निर्यात आदेश की पूर्ति के लिए सजगता रखनी होगी।

चूंकि इस साल खरीफ सीजन की बुवाई शुरू से ही कम रहने से देश के किसानों और नीति-निर्माताओं की चिंताएं बढ़ गई हैं। मौसम विभाग के अनुसार देश के कई हिस्सों में पिछले 10 सालों का सबसे खराब और सूखा मानसून देखने को मिल सकता है। अल-नीनो के बढ़ते असर को देखते हुए केंद्र सरकार ने 1 जून, 2026 से देशव्यापी 'खेत बचाओ' अभियान के तहत रणनीतिपूर्वक कदम बढ़ाए हैं। इसके तहत किसानों को उनके इलाके और फसल के हिसाब से खास सलाह दी जा रही है, ताकि वे मौसम के जोखिमों को समझकर सही निर्णय ले सकें। इसके साथ-साथ किसानों को उनके इलाके के मौसम, वहां की मिट्टी और बाजार की मांग के हिसाब से कृषि उत्पादन संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन भी दिया जा रहा है।

सरकार ने एक व्यापक और सहयोगी ढांचा तैयार किया है। इस अभियान में स्थानीय पंचायतों, राज्य सरकारों, कृषि विज्ञान केंद्रों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों और स्थानीय कृषि विभागों को एक साथ जोड़ा गया है। कृषि मार्गदर्शन की पहुंच मजबूत करने के लिए 1,600 से ज्यादा विशेष टीमें बनाई गई हैं। ये टीमें खेतों में जाकर किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड और पीएम-किसान जैसी योजनाओं का लाभ दिलाने में मदद भी करेंगी। इसके साथ ही दालों और तिलहनों के उत्पादन को बढ़ाने, ऑयल पाम की खेती, कॉटन मिशन, सॉइल हेल्थ मैनेजमेंट और जल संरक्षण जैसे अभियानों को भी इसी अभियान से जोड़कर जागरूकता फैलाई जाएगी।व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मानसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी हुई है।

# कॉकरोची सवाल व शिक्षा के असली संकट

निरंजन भंडारी

**यह समझने के लिए किसी को समाज विज्ञानी होने की ज़रूरत नहीं है कि ग्रामीण सरकारी स्कूल के किसी गरीब या निम्न-मध्यम वर्गीय लड़के के मुकाबले, किसी अमीर और ऊंचे रसूख वाले परिवार का बेटा–जो किसी ब्रांडेड कोचिंग सेंटर से खास ट्रेनिंग का खर्च उठा सकता है–वह मुक़ाबला पहले ही जीत चुका होता है।**

**एक काल्पनिक स्थिति के बारे में सोचिए। सत्ताधारी सरकार–जो लोगों की बात सुनने की कला के लिए विशेष तौर पर नहीं जानी जाती–उसने 'कॉकरोच जनता पार्टी' की मांगों को गंभीरता से लिया है। कल्पना कीजिए कि संबंधित केंद्रीय मंत्री ने अपनी अंतरात्मा की आवाज़ फिर पा ली और उन्होंने इस्तीफ़ा दे डाला। कल्पना कीजिए कि नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (केंद्रीय परीक्षा एजेंसी) के अधिकारी ईमानदारी और निष्ठा से काम करने लगे हैं। कल्पना कीजिए कि बारम्बार की पेपर लीक घटनाएं अतीत की बात हो गई हैं और नीट जैसी मानकीकृत कर दी गईं परीक्षाएं सुचारु रूप से आयोजित हो रही हैं। क्या यह आवश्यक तौर पर संकेत है कि ऐसी काल्पनिक परिस्थिति में शिक्षा के मुख्य चलन के साथ सब चीज़ें ठीक हो जाएंगी? इसका साफ़ जवाब है 'नहीं'। असल में, हमें यह समझने के लिए गहराई में जाने की ज़रूरत है कि शिक्षा की मौजूदा संस्कृति में जो बीमारी व्याप्त है, वह सिर्फ़ पेपर लीक होने या संबंधित अधिकारियों की गैर-ज़िम्मेदाराना हरकत तक सीमित नहीं है।**

सर्वप्रथम, अब समय आ गया है कि हममें से कुछ लोग खुलकर कहें कि नीट, जेईई या सीयूईटी जैसी एमक्यूएम-आधारित मानकीकृत परीक्षाओं का सिद्धांत ही सबसे अधिक समस्या है। असल में, मुझे यह कहने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि इन मानकीकृत परीक्षाओं की तैयारी करने की प्रक्रिया ही दिमाग को एक खास सांचे में ढाल देती है, सोचने-समझने के दायरे को सीमित कर देती है और आलोचनात्मक सोच एवं रचनात्मक कल्पनाशीलता की क्षमता को कुंद कर देती है। अगर आप ध्यान से देखें तो, भौतिकी का छात्र अपने स्कूल की भौतिकी प्रयोगशाला में इसलिए जाने से कतराता है क्योंकि उसे कोचिंग सेंटर के 'रणनीतिकार' से पढ़ना और ओएमआर शीट पर जितनी जल्दी हो सके 'सही' जवाब पर टिक लगाने की तकनीक सीखना ज़्यादा भाता है।

जब शिक्षा केवल मानकीकृत परीक्षाओं का प्रशिक्षण बनकर रह जाए तो विद्यालय–जो कि गहन सीखने-सिखाने की जगह होते हैं–धीरे-धीरे अप्रासंगिक हो जाते हैं। वे सभी चीज़ें जो स्कूली शिक्षा को जीवंत और आनंदमय बना सकती थीं–जैसे कि भौतिकी और जीव-विज्ञान प्रयोगशाला में विज्ञान के प्रयोगों से पैदा होने वाली जिज्ञासा; स्कूल लाइब्रेरी में नई किताबें पढ़ने और उन्हें छूने का बेपनाह आनंद; कक्षा में होने वाली गहन चर्चा और बहस; और खेल, संगीत व थिएटर का रोमांच–सब अप्रासंगिक हो जाते हैं। इसके बजाय, जो बचता है वह है 'डमी स्कूलों' की कठोर सच्चाई, कोचिंग सेंटरों का दबाव और शारीरिक रूप से थके हुए एवं मानसिक रूप से आहत किशोरों की बेचैनी, जिन्हें फुटबॉल खेलने, कोई अच्छा उपन्यास पढ़ने या लंबी सैर पर जाने के लिए शायद ही कोई 'फालतू' समय मिल पाता है। इसके अलावा, बार-बार होने वाली अभ्यास परीक्षाएं, जिनसे कोचिंग 'गुरु' लगातार छात्रों की 'गति' और 'कौशल' मापते हैं, उनके बचपन के सुनहरे सालों को बर्बाद कर देते हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि वे अपने माता-पिता के सामने अपनी 'काबिलियत' साबित करने की कभी न खत्म होने वाली चिंता में जीते हैं, मां-बाप के लिए बच्चों के लिए 'सफलता' ही उनकी इज्जत का मोल बन जाती है।

असल में, कोई भी समझदार शिक्षक और शिक्षाविद? यही कहेगा कि प्रशिक्षण का यह तरीका एक ऐसी मशीनी और बंधी-बंधाई सोच वाली मानसिकता बनाता है जो बच्चों में अस्पष्टताओं, जटिलताओं और बारीक बातों को समझने या उनके साथ जीने में पूरी तरह नाकाम कर देती है।

सिर्फ़ इतना ही नहीं, इस बेचैन पीढ़ी को कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं–जैसे कि अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या के ख्यालों–का सामना करना पड़ रहा। इस बीच, भारत का 'स्याह' शिक्षा तंत्र–यानी कोचिंग फ़ैक्टरियां–चोखा धंधा कर रहे हैं।दूसरी बात, भले ही सब कुछ विवादों से मुक्त लगे, लेकिन सच तो यह है कि नीट या जेईई जैसी मानकीकृत परीक्षाएं कभी भी निष्पक्ष नहीं होतीं। वर्गों और जातियों में बंटे हमारे जैसे समाज में, जहां सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समृद्धि के आधार पर तमाम किस्म की असमानताएं मौजूद हैं, कोई भी मुक़ाबला निष्पक्ष नहीं हो सकता।

यह समझने के लिए किसी को समाज विज्ञानी होने की ज़रूरत नहीं है कि ग्रामीण सरकारी स्कूल के किसी गरीब या निम्न-मध्यम वर्गीय लड़के के मुकाबले, किसी अमीर और ऊंचे रसूख वाले परिवार का बेटा–जो किसी ब्रांडेड कोचिंग सेंटर से खास ट्रेनिंग का खर्च उठा सकता है–वह मुक़ाबला पहले ही जीत चुका होता है। भले ही कभी-कभार आप और मैं किसी टैक्सी ड्राइवर के बेटे या गरीब किसान की बेटी के नीट या जेईई जैसे अहम इम्तिहान पास करने की असाधारण कहानी अपवादवश सुनते हों, लेकिन कड़वा सच यह है कि ये सभी इम्तिहान निष्पक्ष होने के बजाय, समाज में पहले से मौजूद सामाजिक और आर्थिक असमानता को ही बढ़ावा देते हैं। इसलिए मान लेना चाहिए- एक निष्पक्ष मुक़ाबले का विचार महज़ भ्रम है, और इसलिए, मेरिटोक्रेसी (योग्यता-आधारित व्यवस्था) के तर्क वाली इस व्यवस्था को सही ठहराने का कोई कारण नहीं बनता।

और आखिर में, इस पूरी बीमारी को तब तक ठीक से नहीं समझा जा सकता जब तक हम यह न देखें कि कैसे नव-उदारवाद की 'मशीनी' सोच ने शिक्षा की लोकतांत्रिक और आज़ाद बनाने वाली क्षमता को खत्म कर डाला है। जैसे-जैसे बाज़ारवाद का सिद्धांत हावी हो रहा है, शिक्षा सिर्फ़ ऐसी नौकरियों के लिए प्रशिक्षण बनकर रह गई है जो टेक्नो-कॉर्पोरेट मशीन की आर्थिक उत्पादकता बढ़ाती हैं। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि हम लिबरल आर्ट्स और ह्यूमैनिटीज़ (मानविकी) विषयों की निरंतर गिरती अहमियत देख रहे हैं; हमने लगभग यह मान लिया है कि देश को अच्छे इतिहासकारों, मानव-विज्ञानियों, दार्शनिकों, कलाकारों, पत्रकारों या फ़िल्म निर्माताओं की ज़रूरत नहीं है; ऐसा लगता है कि देश को सिर्फ़ ऐसे आज्ञाकारी इंजीनियरों या टेक्नो-मैनेजरों की ज़रूरत है जो बिना किसी आलोचनात्मक सोच के अपने कॉर्पोरेट मालिकों की नौकरी कर सकें, या ऐसे लालची डॉक्टरों की जो प्राइवेट सुपर-स्पेशियलिटी अस्पतालों में नौकरी करें और स्वास्थ्य या इलाज को एक महंगी वस्तु की भांति बेचें।

असल में, कोई भी समझदार शिक्षक और शिक्षाविद? यही कहेगा कि प्रशिक्षण का यह तरीका एक ऐसी मशीनी और बंधी-बंधाई सोच वाली मानसिकता बनाता है जो बच्चों में अस्पष्टताओं, जटिलताओं और बारीक बातों को समझने या उनके साथ जीने में पूरी तरह नाकाम कर देती है। सिर्फ़ इतना ही नहीं, इस बेचैन पीढ़ी को कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं–जैसे कि अवसाद, अकेलापन और आत्महत्या के ख्यालों–का सामना करना पड़ रहा।

## विपक्ष को मिल गया है चुनावी मुद्दा!

# राम मंदिर चढ़ावा मामला : चंपत राय के इस्तीफे के बाद घिरी सरकार

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

**अयोध्या राम मंदिर में दान चोरी का खुलासा किसने किया .! अखिलेश यादव इसका श्रेय लेना तो चाहते है पर कई लोग यह भी कह रहे की इसकी प्लानिंग बहुत पहले से कुछ लोगो द्वारा बहुत दिनों से कराई जा रही थी ताकि सरकार को घेरा जा सके। विपक्ष का कोई नेता जो कभी राम मंदिर नहीं गया वो ऐसे मुद्दों पर खुलकर बैटिंग कर रहा मतलब दाल में कुछ काला है। फिलहाल चम्पत राय और अनिल मिश्रा के इस्तिफे ने विपक्ष को नो बॉल का फ्री हिट नहीं लेने दिया है। हालांकि अब लोग विपक्ष से पूछ रहे कि कौन से विश्वनीय सूत्र थे जिससे उन्हें पता लगा कि चोरी हुई है क्यूंकि अवधेश प्रसाद वहां से सपा चेहरा है जिनका एजेंडा ही सरकार को फ़साना रहा है।**

सूत्रों के अनुसार सोने चांदी के आभूषण ईंट, काकभासुंडी सब चीजे बरामद हो गई हैं। रुपया गया है, उसमें 2 यादव और 6 ब्राह्मण कर्मचारी दोषी पाए गए हैं। चंपत राय पर आरोप सिद्ध हुए नहीं हुए पर नैतिकता के तहत उन्होंने इस्तीफा सौप दिया है ताकि आगे की जाँच में सहयोग हो सकें । आखिर ये सब हुआ क्यों ! चुनाव के साल में ही चोरी का खुलासा क्यों हुआ ! यह क़ाम तो सालों से हो रही होगी जब इतना धन इकट्ठा कर लिया चोरों ने हवेलियां बनवा ली तो पहले नजर क्यों नही गई अखिलेश यादव की ! ये सब राजनीतिक कारणों से हो रहा है यह कहना अतिश्योक्ति नहीं पर चोरी गुनाह है और यह भक्तों के साथ कपट है। इस सब में एक दिक्कत ये है कि ऊपरी दबाव के चलते शायद योगी जी सख्त कार्यवाही नहीं करवा पा रहे हैं। लगता है लंका और लंका के वाशिंदे अयोध्या में आ चुके है। सबके एक साथ राम क्रोध में भस्म होने का समय आ गया है।

राम मंदिर से जुड़े कथित डकैती चोरी मामले में 8 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी केस में एसआईटी की सिफारिश के बाद रामजन्मभूमि कोतवाली में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। यह एफआईआर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से दर्ज कराई गई है। अब तक मामले की जांच एसआईटी कर रही थी, लेकिन एफआईआर दर्ज होने के बाद बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। राम मंदिर चंदा चोरी मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने आठ लोगों को हिरासत में लिया है। इनके नाम रमाशंकर यादव टिन्नू, अनुकल्प मिश्र, अविनाश शुक्ला करुणेश पांडेय, लवकुश मिश्र, रमा शंकर मिश्र, सुभाष श्रीवास्तव, मनीष यादव हैं। जिन आरोपियों के पास से चंदे की रकम बरामद हुई, उनके नाम एफआईआर में दर्ज किए गए हैं। पुलिस ने कुल 8 लोगों को हिरासत में लिया है। जांच एजेंसियों का मानना है कि इस मामले में और भी लोग शामिल हो सकते हैं, जिसके चलते आने वाले दिनों में गिरफ्तारियों का दायरा बढ़ सकता है।

चोरी और भ्रस्टाचार में इस्तिफे नए नही है। पवन बंसल रेल मंत्री थे। उनके भतीजे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे। कांग्रेस लीडरशिप ने इस्तीफा लेने में देर नहीं की पवन बंसल भी इसके बाद हाशिये पर चले गए।कोयला घोटाले का मुद्दा गरम था। अश्विनी कुमार कानून मंत्री थे। उन पर सीबीआई की जांच को प्रभावित करने का आरोप लगा। कांग्रेस जबकि सत्ता में थी लेकिन कोई रियायत नहीं दी गई। अश्वनी कुमार को इस्तीफा देना पड़ा । सवाल यह है कि क्या जांच सिर्फ़ छोटी मछलियों तक सीमित रहेगी, या फिर बड़ी मछलियों तक भी पहुंचेगी ? एमपी में मोहन यादव पर जमीन घोटाले का आरोप लगा है जिसका अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। क्या मोहन यादव इस्तीफा देंगे ! या भाजपा इस बार एमपी का चुनाव गवा देगी मोहन यादव को बचाने में। देश ने हमेशा देखा है कि जब कोई बड़ा मामला सामने आता है तो जाल में अक्सर छोटी मछलियाँ फंस जाती हैं, जबकि असली शार्क और व्हेल गहरे समुद्र में आराम से तैरती रहती हैं।

अगर वास्तव में कोई गड़बड़ी हुई है तो जनता यह जानना चाहती है कि- जिम्मेदारी की आखिरी कड़ी तक जांच होगी या नहीं ? फैसले लेने वाले लोगों से भी सवाल पूछे जाएंगे या नहीं ? क्या सिर्फ़ कुछ नामों पर कार्रवाई करके पूरा मामला बंद कर दिया जाएगा ? न्याय का मतलब सिर्फ़ किसी को पकड़ लेना नहीं होता। न्याय का मतलब है कि सबसे छोटे कर्मचारी से लेकर सबसे बड़े पद पर बैठे व्यक्ति तक, सभी की भूमिका की निष्पक्ष जांच हो। क्योंकि अगर जाल में केवल छोटी मछलियाँ फंसें और बड़ी मछलियाँ बच निकलें, तो जनता के मन में सवाल उठना स्वाभाविक है। इसलिए देश की मांग सिर्फ़ कार्रवाई नहीं, बल्कि पूरे सच का खुलासा है। छोटी मछलियों को पकड़कर तस्वीर खिंचवाना आसान है, असली परीक्षा तब है जब जाल शार्क और व्हेल तक पहुंचे। आपको याद दिला दूँ कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों और उनके परिवारों के लिये मुंबई में आदर्श सोसाइटी बनाई गई। अशोक चाह्वाण महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे।

आरोप लगे कि फ्लैट आवंटन में घोटाला, कांग्रेस ने सिर्फ चाह्वाण का इस्तीफा नहीं लिया बल्कि उनके खिलाफ सीबीआई जांच भी करवाई। अशोक चाह्वाण कोई छोटे-मोटे नेता नहीं थे. महाराष्ट्र जैसे बड़े और अहम राज्य के मुख्यमंत्री थे। अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री के खिलाफ सीबीआई जांच कराने का दुस्साहस मनमोहन सिंह जैसा प्रधानमंत्री और कांग्रेस जैसा राजनीतिक दल ही कर सकता है। राम मंदिर डकैती अभियान में छोटे-छोटे डकैत और बड़े- बड़े चोर तो पकड़ में आ जाएंगे।चंपत राय भतीजा चंदन राय, ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव का भतीजा सोमेश आनंद और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्र के दो रिश्तेदारों की चढ़ावे की चोरी तो अंततः आंशिक रूप से पकड़ में आ जाएगी।

कुछ माल बरामद भी हुआ बताते हैं मगर जो बड़े पेट वाले चोर-डकैत सोने-चांदी, हीरे- माणिक्य की 1250 शिलाएं उड़ा ले गए,सिंधी समाज द्वारा भेंट 200 किलो की चांदी की 200 की ईंटें जीम गए ,जो चांदी के कागभुशुण्डि की प्रतिमा का भोग लगा गए ,वे कौन हैं और कहां हैं?उनके नाम कब उजागर होंगे ? चंपत राय ही बता सकते हैं कि उनकी मदद से किसने क्या-क्या चंपत किया है और वह कहां- कहां पहुंचा है मगर चंपत जी 'निष्ठावान' संघी हैं। वे अपनी 'निष्ठा' के साथ 'धोखा ' नहीं कर सकते । निश्चय ही ऐसे बड़े पेट के चोर- डाकू अयोध्या में तो बैठे नहीं होंगे। कहीं और होंगे। कहां हैं दिल्ली में या लखनऊ में या अहमदाबाद में या कहीं और ? जब तक इन चोरों पर चोट नहीं होती और होगी भी नहीं, तब तक सब लीपापोती है। जांच उत्तर प्रदेश की एसआईटी करे या सीबीआई, उन चोरों- डकैतों पर कोई ऊंगली नहीं रख सकता ।

मामला हिंदू राष्ट्र से जुड़ा है। यह राशि हिंदू राष्ट्र के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सुरक्षित रखी जानी थी । उसमें जो चढ़ावा आएगा, फिर उसकी चोरी होगी और वह राममंदिर मामले से कई-कई गुना बड़ी होगी । हिंदू राष्ट्र नहीं बन पा रहा क्यूकि पक्ष चोर तो विपक्ष गद्दार है। कुछ समय के बाद चोरी- डकैती शब्द हिंदी शब्दकोश से गायब हो जाएंगे। आश्चर्य नहीं कि जयश्री राम शब्द का भी उसी के साथ जयश्री राम हो जाए! चोरी नेताओं के डीएनए में है। यहां उन मंत्रियों के नाम नहीं लिख रहा हूं जिनको यूपीए के दौर में किसी घोटाले में नाम आने की वजह से इस्तीफा देना पड़ा था। सिर्फ उनका जिक्र कर रहा हूं जिनको विवाद की वजह से मंत्री पद गंवाना पड़ा पर मोहन यादव और धर्मेंद्र प्रधान अब भी डटे हुए

## अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,

bps.knp786@gmail.com

## आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओ को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र मे नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

## आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओ, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

# स्वास्थ्य योजनाओं की समीक्षा में सख्त दिखे डीएम, खराब प्रगति पर अधिकारियों को चेतावनी

» डीएम की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति के शासी निकाय की बैठक आयोजित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, नियमित टीकाकरण कार्यक्रम, परिवार कल्याण कार्यक्रम, जननी सुरक्षा योजना तथा आयुष्मान भारत योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान विभिन्न योजनाओं में खराब प्रगति पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बैठक में बताया गया कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री वय वंदन योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 1,03,348 लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिसके साथ कानपुर नगर प्रदेश में प्रथम स्थान पर है। जिलाधिकारी ने अभियान चलाकर अधिक से अधिक पात्र बुजुर्गों को योजना का लाभ दिलाने के निर्देश दिए।

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत जनपद में अब तक 9,20,104 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं तथा उपचार क्लेम के रूप में 201 करोड़ 15 लाख रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है।

समीक्षा के दौरान विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिधनू का प्रदर्शन अत्यंत खराब पाए जाने पर जिलाधिकारी ने संबंधित एमओआईसी को कड़ी चेतावनी जारी करने के निर्देश दिए।

जननी सुरक्षा योजना में सरसौल एवं कल्याणपुर की प्रगति भी असंतोषजनक पाए जाने पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को संबंधित अधिकारियों की प्रतिदिन समीक्षा करने के निर्देश दिए गए।

जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत मंत्रा पोर्टल पर दर्ज 6,127 महिलाओं को तीन दिन के भीतर लाभान्वित करने के निर्देश देते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि किसी भी पात्र महिला का भुगतान लंबित नहीं रहना चाहिए। सर्वाधिक भुगतान लंबित रहने पर सरसौल, बिधनू एवं कल्याणपुर के ब्लॉक अकाउंट मैनेजरों को सेवा समाप्ति नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए गए।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत तैनात कोई भी चिकित्सक अथवा कर्मचारी बिना पूर्व अनुमति लगातार 10 दिनों तक अनुपस्थित पाया जाता है तो उसकी सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को इस व्यवस्था का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा में खराब प्रगति पाए जाने पर एमओआईसी ककवन, कल्याणपुर एवं बिधनू को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत वर्तमान में 1,363 टीबी रोगियों को पोषण पोटली उपलब्ध कराई जा रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की सभी योजनाओं में गुणवत्तापूर्ण प्रगति सुनिश्चित की जाए तथा पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

# सीएसए ने आंगनबाड़ी केंद्रों पर किए कार्यक्रम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के सामुदायिक महाविद्यालय की परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग तथा पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग द्वारा राज्यपाल महोदया के दिशानिर्देशों के अनुपालन में आंगनवाड़ी केन्द्र में बच्चों के समय पर प्रवेश, नियमित उपस्थिति तथा प्रारम्भिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा सेवाओं की स्थिति का आकलन करने हेतु एक निरीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनवाड़ी केन्द्रों में बच्चों की समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करना, केन्द्रों की कार्यप्रणाली का अवलोकन करना तथा बच्चों के समग्र विकास से संबंधित सेवाओं की गुणवत्ता का मूल्यांकन करना था। इस अवसर पर डॉ. एकता शर्मा, प्राध्यापक, डॉ.रश्मि सिंह , और डॉ. अर्चना सिंह द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं अभिभावकों के साथ संवाद स्थापित कर बच्चों की शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. एकता शर्मा, प्राध्यापक, डॉ. अर्चना सिंह, प्रभारी, परिधान एवं वस्त्र विज्ञान विभाग, डॉ. रश्मि सिंह, प्रभारी, पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग तथा आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकत्री शोभा रानी, सुनीता देवी एवं मनोरमा ने विशेष सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम के दौरान सभी बच्चों को मिठाई वितरित की गई विभिन्न पोषण मूल्यांकन उपकरणों की सहायता से बच्चों के पोषण स्तर का आकलन किया गया। इन उपकरणों के उपयोग एवं उनके महत्व का प्रदर्शन अभिभावकों को भी किया गया, जिससे वे अपने बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण की नियमित निगरानी के प्रति जागरूक हो सकें। शोभा रानी के द्वारा डॉ. एकता शर्मा, प्राध्यापक, डॉ. अर्चना सिंह, और डॉ. रश्मि सिंह, को धन्यवाद भी दिया गया।

# आइपीएल की तर्ज पर खो-खो प्रीमियर लीग का होगा आयोजन

» कानपुर के साथ प्रदेश भर के खिलाडी लेंगे प्रतियोगिता में हिस्सा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अब आईपीएल की तर्ज पर खो-खो प्रीमियर लीग का भी आयोजन किया जायेगा और होने वाली इस लीग में कानपुर के अलावा पूरे प्रदेश के खिलाडी हिस्सा लेगे। इस खो-खो लीग का आयोजन माटी के खेल को बढावा देने के उददेश्य और इस खेल के प्रति युवाओं में इंट्रस्ट पैदा करना है।

अब आईपीएल की ही तर्ज पर खो-खो लीग का भी आयोजन किया जायेगा। प्रदेश में कानपुर पहला ऐसा शहर होगा, जहां खो-खो खेल को बढावा देने के साथ ही इस खेल के लिए लीग का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए बताया गया कि खो-खो प्रीमियर लीग जिला खो-खो संध द्वारा कराया जा रहा है, जिसके लिए आनलाइन पंजीकरण की शुरूआत भी हो चुकी है।यह खो-खो लीग कानपुर, खेलेगा कानपुर की थीम पर आयोजित की जा रही है और इस में शहर के साथ साथ पूरे प्रदेश से प्रतिभागी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस लीग के लिए आवेदन आन लाइन किए जा सकते है। लीग का उददेश्य जहां खो-खो के प्रति युवाओं को प्रेरित करना है तो वहीं इस लीग के माध्यम से प्रतिभाशाली खिलाडियों की भी खोज की जायेगी, जिनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय मंचों तक ले जाया जायेगा।

# डीएम एवं मुख्य विकास अधिकारी के निरीक्षण के दौरान कान्हा गौशाला में 166 गोवंश पाए गए संरक्षित

» डीएम एवं सीडीओ ने किया निरीक्षण, 166 गोवंश हैं संरक्षित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन ने बुधवार को शिवराजपुर नगर पंचायत द्वारा संचालित कान्हा गौशाला का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में 166 गोवंश संरक्षित पाए गए तथा उनके रख-रखाव, चारा, पेयजल एवं अन्य व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलीं। जिलाधिकारी ने गौशाला परिसर का निरीक्षण करते हुए गोवंशों के लिए उपलब्ध कराए जा रहे हरे चारे, पेयजल एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि गौवंशों के लिए पर्याप्त मात्रा में हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता के कारण गौशाला में हरे चारे की कमी नहीं होने दी जाती, जिससे गोवंशों के बेहतर पोषण और देखभाल में सहायता मिल रही है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि गोवंशों के लिए अनुकूल वातावरण बनाए रखने हेतु गौशाला परिसर में स्प्रिंकलर सिस्टम की व्यवस्था की गई है। नगर पंचायत प्रशासन एवं चेयरमैन के सहयोग से स्थापित यह व्यवस्था गर्मी के मौसम में गोवंशों को राहत प्रदान कर रही है। जिलाधिकारी ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे सकारात्मक प्रयास बताया।

गौशाला परिसर में किए गए वृक्षारोपण का भी निरीक्षण किया गया। बड़ी संख्या में लगाए गए पौधों के कारण परिसर हराभरा एवं पर्यावरण अनुकूल दिखाई दिया। जिलाधिकारी ने कहा कि स्वच्छ और प्राकृतिक वातावरण गोवंशों के स्वास्थ्य एवं संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिवराजपुर नगर पंचायत की कान्हा गौशाला एक अच्छी एवं व्यवस्थित गौशाला के रूप में संचालित हो रही है। यहां की व्यवस्थाओं से अन्य नगर पंचायतों, नगर पालिकाओं एवं नगर निगमों को भी प्रेरणा लेनी चाहिए, ताकि सभी गौशालाओं में गोवंशों के लिए बेहतर सुविधाएं विकसित की जा सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गोवंशों की देखभाल, स्वच्छता एवं सुविधाओं के निरंतर उन्नयन के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों एवं नगर पंचायत के अधिकारी उपस्थित रहे।

# 2500 सोलर लाइटें व 230 हाईमास्क करेगीं शहर को जगमग

» अधेंरे क्षेत्रों पर होगा खास ध्यान, नगर निगम को हर माह बचेंगी लगभग पांच लाख रूपये की बिजली

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अब जल्द ही कानपुर नगर को जगमग करने के लिए नगर निगम द्वारा सोलर लाइट तथा हाईमास्क लगाने का काम किया जाएगा। जिससे वह क्षेत्र जहां खंभे नही है या है तो अभी तार नही पडे है, ऐसे इलाकों के अंधेरे को दूर करने का प्रयास किया जायेगा।जानकारी के अनुसार नगर निगम कानपुर द्वारा शहर की सडकों व क्षेत्रों में लाइट व्यवस्था को ठीक करने के लिए शहर में सोलर लाइट व हाईमास्क लगाये जायेंगे। बताया जाता है कि 2500 सोलर लाइटें तथा 230 हाईमास्क लगाये जायेगे, जिनमें नगर निगम 8 करोड 26 लाख रूपये खर्च करेगा। उन क्षेत्रों को पहले रोशन किया जायेगा जहां खंभे नही है या है तो उनमें अभी तक तार नही लग पाये है। इन क्षेत्रों से अंधरे को दूर किया जायेगा। पूरे कार्य को पूर्ण होने के बाद नगर निगम को इससे लगभग पांच लाख की बिजली की बचत होगी।

# आईआईटी से रामादेवी तक 2500 से अधिक अतिक्रमण चिह्नित

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में हटेंगे हाईवे किनारे अतिक्रमण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आईआईटी से रामादेवी तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे चिन्हित 2500 से अधिक अतिक्रमणों के विरुद्ध माननीय सुप्रीम कोर्ट के 13 अप्रैल 2026 के निर्देशों के अनुपालन में कार्रवाई की जाएगी। इसके तहत अतिक्रमित स्थलों पर किए गए निर्माणों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए।

सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार में आयोजित बैठक में सड़क सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, अतिक्रमण हटाने एवं प्रवर्तन कार्यो की समीक्षा की गई। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि आईआईटी से रामादेवी तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे ढाई हजार से अधिक अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। कई स्थानों पर स्थायी निर्माण कर दुकानें संचालित की जा रही हैं, जबकि कुछ मामलों में अतिक्रमणकर्ता द्वारा भूमि पर अवैध निर्माण कर उसे किराए पर भी दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के 13 अप्रैल 2026 के निर्देशों के अनुपालन के लिए जनपद स्तर पर हाईवे टास्क फोर्स गठित की गई है, जिसे राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों को अतिक्रमणमुक्त कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। उन्होंने संबंधित विभागों को समन्वय स्थापित करते हुए हाईवे टास्क फोर्स के माध्यम से राजमार्गों के किनारे चिन्हित अतिक्रमणों के संबंध में नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने ऐसे सभी मामलों में नियमानुसार नोटिस जारी करने तथा उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर चिन्हित अतिक्रमणों की सूची संबंधित विभागों को उपलब्ध कराई जाए। जिन अतिक्रमित स्थलों पर स्थायी निर्माण कर



विद्युत कनेक्शन लिए गए हैं, उनके संबंध में भी नियमानुसार कार्रवाई की जाए तथा आवश्यकतानुसार संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित किया जाए। ऐसे अतिक्रमणकर्ताओं की सूची केस्को को उपलब्ध कराई जाए।उन्होंने हाईवे सेफ्टी टास्क फोर्स को विशेष अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने के निर्देश देते हुए कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों एवं प्रमुख मार्गों को प्रत्येक दशा में उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुरूप अतिक्रमणमुक्त कराया जाए। इस कार्य में सभी संबंधित विभाग समन्वय स्थापित कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करें।बैठक में जिलाधिकारी ने नौबस्ता-हमीरपुर मार्ग पर रात्रिकालीन विशेष प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों का संचालन किसी भी दशा में न होने पाए। ऐसे वाहनों की सघन जांच कर कार्रवाई की जाए। साथ ही ओवरलोड वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्य में तेजी लाकर सड़क सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।यातायात प्रवर्तन की समीक्षा के दौरान बताया गया कि मई माह में बिना हेलमेट वाहन चलाने के 32,631, ओवरस्पीड के 10,252, रॉन्ग साइड ड्राइविंग के 10,304, बिना सीट बेल्ट के 767, ड्रंक एंड ड्राइविंग के 340 तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के प्रयोग के 276 चालान किए गए। वहीं मॉडिफाइड साइलेंसर एवं प्रेशर हॉर्न के विरुद्ध 5,559 मामलों में प्रवर्तन कार्रवाई की गई। गंभीर यातायात उल्लंघनों के 38 मामलों में वाहन चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस भी निलंबित किए गए।

बैठक में राहवीर योजना की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर अस्पताल पहुंचाने वाले नागरिकों को योजना के तहत प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। वहीं सड़क दुर्घटना में घायलों के निःशुल्क उपचार के लिए जनपद में नौ अस्पताल चिन्हित किए गए हैं, जहां निर्धारित प्रावधानों के अनुसार उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रवर्तन का विषय नहीं, बल्कि जनजीवन की सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण दायित्व है। सभी विभाग समन्वित प्रयास करते हुए सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने तथा सुरक्षित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी कदम उठाएं।

# अवैध खनन, परिवहन एवं ओवरलोडिंग पर प्रशासन ने की बड़ी कार्रवाई, 11 वाहन किये गए सीज



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह के निर्देशों एवं शासन की मंशा के अनुरूप जनपद में अवैध खनन, अवैध परिवहन तथा ओवरलोडिंग के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार को निदेशालय की टीम, खान अधिकारी कानपुर नगर तथा संबंधित थानों की पुलिस के संयुक्त दल द्वारा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में उपखनिज बालू, मोरम एवं गिट्टी से लदे वाहनों की औचक जांच की गई।अभियान के दौरान लगभग 160 वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान 11 वाहन ओवरलोड अथवा बिना वैध परिवहन प्रपत्र के संचालित पाए गए। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के विरुद्ध चालान एवं सीज़ की कार्रवाई की गई और 7 लाख रुपये का जुर्माना लगाया।जिलाधिकारी ने जनपद स्तरीय टास्क फोर्स के सभी सदस्यों को निर्देशित किया है कि अवैध खनन, अवैध परिवहन एवं ओवरलोडिंग के विरुद्ध नियमित एवं प्रभावी अभियान जारी रखा जाए, ताकि शासन की मंशा के अनुरूप अवैध गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

# राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम हुए

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम÷ के अंतर्गत, 'राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम', आयोजित किया जा रहा है जो कि, माननीय प्रधानमंत्री भारत सरकार, नरेन्द्र मोदी जी की प्राथमिकता के अंतर्गत, कानपुर नगर में किया जा रहा है।आई.एम.ए. कानपुर के अध्यक्ष, डॉ. अनुराग मेहरोत्रा ने सभी का स्वागत किया और बताया की, इस राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन कानपुर शाखा, 'क्षय रोगियों' के लिए ÷पौष्टिक आहार किट वितरण (पोटली वितरण)÷ का योगदान कर रहा है जिसमें, 'निश्चय मित्र पोर्टल' में इनरोल्ड, लगभग 100 निर्धन क्षय रोगियों को, ÷पौष्टिक आहार किट (पोटली वितरण)÷, उपलब्ध कराई गई।इस कार्यक्रम में, कानपुर नगर के जिलाअधिकारी, 'मुख्य अतिथि' के रूप में आमंत्रित थे, उन्होंने इन मरीजों को आई.एम.ए. द्वारा दी गई, पौष्टिक आहार किट ÷पोटली' को वितरित किया। कार्यक्रम के अंतर्गत, आई.एम.ए. द्वारा, सभी प्राइवेट डॉक्टर्स से निवेदन किया गया कि, जो भी मरीज, संदिग्ध क्षय रोगी (सस्पेक्टेड मामला) है यानि, जिनका वजन एक महीने में 10 प्रतिशत से अधिक कम हो गया है, लगभग एक महीने से लागातार बुखार है,

बलगम के साथ खांसी आ रही है, उन सभी मरीजों की क्षय रोग की जांच अवश्य कराएं ङ्क मुख्यत- बलगम की जांच और छाती का ङ्क- ऋङ्4, एवं ट्यूबरक्लोसिस पाय जाने पर, 'निश्चय पोर्टल' में, इनरोल्ड कर के, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अंतर्गत, मुफ्त में इलाज एवं पौष्टिक आहार सामग्री की पूर्ति कराए, जिससे ट्यूबरक्लोसिस भारत में समाप्त हो जाए और प्रधानमंत्री जी का सपना की, सन 2030 तक भारत ट्यूबरक्लोसिस मुक्त हो जाए, साकार हो सके।

कार्यक्रम का संचालन, आई.एम.ए. कानपुर की सचिव, डॉ. शालिनी मोहन ने किया एवं इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि, जितेंद्र प्रताप सिंह जिलाधिकारी कानपुर नगर एवं विशिष्ट अतिथि, डॉ. सुबोध प्रकाश, डिस्ट्रिक ट्यूबरक्लोसिस ऑफीसर थे, जिन्होंने इनरोल्ड मरीजों को उपलब्ध कराया। इस पोटली वितरण कार्यक्रम में, जिन आई.एम.ए. चिकित्सकों ने अपना सहयोग दिया वो सभी एवं डॉ किरण सिन्हा, डॉ शरद दामेले, डॉ गुल शगुफ्ता मुख्य रूप से उपस्थित थे।

# अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) द्वारा बाबूपुरवा कब्रिस्तान का किया गया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। मोहर्रम त्यौहार के दृष्टिगत अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. विपिन ताडा द्वारा दम मदार मजार, मछरिया एवं बाबूपुरवा कब्रिस्तान चौराहा का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संबंधित क्षेत्रों में निकाले जा रहे ताजिया जुलूस मार्गो का स्थलीय भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन एवं संवेदनशील/अतिसंवेदनशील स्थलों पर की गई पुलिस बल की तैनाती का गहन जायजा लिया। कानूनप्रवर्तनसाथ ही मार्गों पर बैरिकेडिंग, ट्रैफिक डायवर्जन, पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता,

महिला सुरक्षा दलों की सक्रियता एवं लगातार पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया गया। निरीक्षण के दौरान यह भी सुनिश्चित किया गया कि संवेदनशील

स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों एवं अन्य तकनीकी माध्यमों से सतत निगरानी रखी जा रही है तथा पुलिस कंट्रोल रूम से समन्वय स्थापित कर पूरे क्षेत्र पर प्रभावी नजर रखी जा रही है।अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि जुलूस पूर्णतः शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं परंपरागत तरीके से संपन्न कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना पर तत्काल विधिक एवं आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मौके पर पर्याप्त पुलिस बल के साथ लगातार गश्त एवं निगरानी जारी है तथा संपूर्ण क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिस बल पूर्ण रूप से मुस्तैद है।

# ग्रीन पार्क में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हुआ आयोजित बड़ी संख्या में लोगों ने किया योग अभ्यास

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। ÷स्वस्थ आयु के लिए योग÷ थीम पर रविवार को ग्रीन पार्क स्टेडियम में 12वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान सहित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता करते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया। योग के प्रति लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था और पूरे परिसर में स्वास्थ्य एवं जागरूकता का संदेश गूंजता रहा।

कार्यक्रम में सांसद रमेश अवस्थी, विधायक सुरेंद्र मैथानी, विधायक सरोज कुरील, एमएलसी अरुण पाठक, जनपद के नोडल अधिकारी एस. सुंदरम एम.के., पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल, जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त संकल्प शर्मा, संयुक्त पुलिस आयुक्त विपिन टाडा, नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव जे. जैन, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. कसान सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

आर्ट ऑफ लिविंग के प्रशिक्षकों के निर्देशन में प्रतिभागियों ने वीरभद्रासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, चक्रासन, दंडासन, पद्मासन, वज्रासन, शलभासन, भुजंगासन, विपरीत शलभासन, नौकासन, पवनमुक्तासन, सेतुबंधासन और शवासन सहित विभिन्न योगासनों का अभ्यास किया। इसके साथ ही कपालभाति, अनुलोम-विलोम तथा भ्रामरी प्राणायाम भी कराया गया।

मुख्य अतिथि राकेश सचान ने कहा कि योग शरीर,

मन और आत्मा के एकीकरण का माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज दुनिया के अधिकांश देश इसे अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग स्वस्थ भारत के संकल्प का प्रतीक है। ÷करें योग, रहें निरोग÷ केवल एक संदेश नहीं बल्कि स्वस्थ जीवन का सूत्र है। उन्होंने लोगों से योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने तथा संतुलित आहार एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया।

सांसद रमेश अवस्थी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से योग को वैश्विक पहचान मिली है और आज विश्व के अनेक देशों में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। उन्होंने योग को भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर बताते हुए कहा कि यह पूरे विश्व को स्वस्थ जीवन का संदेश दे रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए लोगों से नियमित योगाभ्यास अपनाने का आह्वान किया।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में बदलती जीवनशैली और बढ़ते तनाव के बीच योग स्वस्थ जीवन का प्रभावी माध्यम है। योग व्यक्ति को शारीरिक रूप से सशक्त, मानसिक रूप से संतुलित और सामाजिक रूप से जागरूक बनाता है। उन्होंने कहा कि योग को जन-जन का अभियान बनाने की आवश्यकता है ताकि स्वस्थ समाज और स्वस्थ भारत के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान योग सप्ताह के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। योगासन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए आयुषी रावत, अंश कुमार सविता, मालती सचान, नविका सिंह चौहान, मिहिका सचान, देवशी द्विवेदी एवं अनन्या राजपूत को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को वन विभाग द्वारा ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान के अंतर्गत विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वितरण किया गया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षारोपण के प्रति जागरूक किया गया।

ग्रीन पार्क में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, युवाओं, स्वयंसेवी संगठनों, योग प्रशिक्षकों तथा आम नागरिकों ने सहभागिता करते हुए सामूहिक योगाभ्यास किया और स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया।

# गुल्लक लेकर कांग्रेस का प्रदर्शन, राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामधन/चढ़ावा चोरी के गंभीर मामले में कानपुर महानगर कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन कर स्नढ्ढक्रदर्ज करने की मांग उठाई। कांग्रेस कार्यकर्ता हाथों में मिट्टी की गुल्लक लेकर पहुंचे और कहा कि यह केवल धन की चोरी नहीं, बल्कि करोड़ों राम भक्तों की आस्था पर डाका है। गुल्लक और ज्ञापन मौजूद मजिस्टेट को सौंपा।

अध्यक्ष पवन गुप्ता के नेतृत्व में कांग्रेसजनों ने जिलाधिकारी के माध्यम से राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा। सबने कहा कि मंदिर की गुल्लक से चोरी हुई इसलिए करोड़ों राम भक्तों का आक्रोश व्यक्त करने के लिए गुल्लक भेंट कर रहे हैं।गुल्लक चोरों पर स्नढ्ढक करो , गुल्लक चोरों को जेल भेजो, आस्था पर आघात बंद करो गुल्लक से रामधन की चोरी बंद करो बंद करो। अध्यक्ष पवन गुप्ता ने कहा कि सरकार और मंदिर ट्रस्ट को स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर चोरी हुई है या नहीं। यदि चोरी हुई है तो स्नढ्ढक क्यों नहीं दर्ज की जा रही? और यदि चोरी नहीं हुई तो फिर जांच किस बात की हो रही है? सरकार की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।कहा कि भगवान श्रीराम के नाम पर भक्तों द्वारा अर्पित किए गए धन में भ्रष्टाचार, घोटाला या चोरी हुई है तो दोषियों को बचाने का कोई प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि स्नढ्ढक्रदर्ज करने में और देरी की गई तो पार्टी जनहित और आस्था की रक्षा के लिए व्यापक जनआंदोलन छेड़ने को बाध्य होगी। इस दौरान पवन गुप्ता, हरप्रकाश अग्निहोत्री, पदम मोहन मिश्रा, राम स्वरूप तिवारी, मनोज दुबे, मुकेश वाल्मीकि, सुरेंद्र भदौरिया, अजय सिंह, रमणीक चतुर्वेदी, नीरज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

# विकास को तरस रहे शहर किनारे के क्षेत्र, पांच वर्षो से नही बनी गलियां, न लगती कभी झाड़ू

» न्यू आजाद नगर की सडकों पर बडे-बडे गड्ढे, रोज हो रही दुर्धटनाये

बरसात के दौरान क्षेत्र बन जाता तालाब, नालों की सफाई दिखावे की

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर शहर का अंदुरूनी भाग जहां बडे-बडे होटल, अपार्टमेट सरकारी विभाग अस्पताल, नर्सिंगहोम कचहरी, डीएम कार्यालय सहित अन्य कार्यालय है साथ ही आर्य नगर, स्वरूप नगर, सूटरगंज, वीआईपी रोड जैसे पॉश इलाके है ऐसे शहर के अंदुरूनी भाग में तो विकास ही विकास दिखता है लेकिन शहर के महज 10-12 किलोमीटर बाहर निकल कर देखा जाये तो विकास का कहीं नामों निशान नही मिलता है। बदहाल व्यवस्थाएं, टूटी सडकें, बजबाते नाली और नालियां स्वयं ही दुर्दशा की कहानी कहती है। नगर निगम सहित सभी विभाग इन क्षेत्रो पर अपनी आंख बंद किए है।

कानपुर का अंदुरूनी इलाका तो चमचमाता दिखता है, लेकिन बाहरी क्षेत्र में विभागों की अनदेखी लोगो की जिंदगी बदतर बना रही है। बाईपाई पीएसी मोड से न्यू आजाद नगर, सतबरी रोड, आगे भीमनगर चैरहा से महादेवन मंदर रोड में वाहनों का चलना दुश्वार है। हालत यह कि कुछ जगहों पर तो इतने बडे गडढे है कि पैदल चलना भी दूभर है।

न तो क्षेत्र में कोई नया विकास देखने को मिलता है और न ही विभागीय कोई कार्य। न्यू आजाद नगर मार्ग के आधे हिस्से में जहां बाजार है वहां तो झाड़ू लग भी जाती है, इसके बाद सडको और गलियों में गंदगी ही गंदगी है। कई गलियों में तो नाली का भी निमार्ण नही हुआ है। आलम यह है कि खराब सडकों पर रोज लोग चुटहिल हो रहे है।

नालों की सफाई सिर्फ खानापूर्ति

न्यू आजाद नगर रोड के दोनो तरफ गहरे नाले है, जिसमें पूरे क्षेत्र का पानी निकलता है, लेकिन यहां नाले की सफाई तो की गयी लेकिन महज खानापूर्ति करी गयी। नाले उसी तरह बजबजा रहें है।

नालियों की तो कभी सफाई नही होती। कई गलियों में अभी तक नाली ही नही बनी तो आज भी लोगो के घरों में मल निकासी के लिए लाइन नही डाली गयी, लोगों को सीवर टैंक बनवाना पडता है। कई बार क्षेत्रीय सभासद के कहा गया, लेकिन हुआ कुछ भी नही।

बाजार में अतिक्रमण का कब्जा, नालियां गायब

न्यू आजाद नगर मार्ग में स्थित बाजार बुरी तरह अतिक्रमण से ग्रसित है। लोगों ने पूरा फुटपाथ घेर रखा है।

नालियों को पक्के निर्माण से बंद कर दिया गया है, जिससे प्रतिदिन सफाई नही हो पा रही है। सफाईकर्मी प्रतिदिन झाड़ू भी नही लगाता है। सडको पर गडढे तो है सी साथ में किनारो से सडकें उखड चुकी है। दिनभर हादसे होते है और आशंका भी बनी रहती है।

वसूली के डर से भारी ट्रकों का आवागमन

हमीरपुर की तरफ से आने वाले मौरंग आदि के लदे भारी ट्रकों को यदि फतेहपुर या लखनऊ की ओर जाना होता है तो उन ट्रकों को नौबस्ता चैराहा जाना चाहिए लेकिन कुछ ट्रक चैराहे से पहले सैनिक चैराहा के लिए मुड जाते है जो भीमनगर से न्यूआजाद नगर होते हुए, पीएसी, श्यामनगर बाईपास से निकलकर निकलते है। इन भारी ट्रकों के कारण सडक और भी खराब हो रही है तो वहीं धूल का गुब्बार बना रहता है। बडी बात तो यह कि इसी रोड पर पुलिस चैकी भी है लेकिन इन ट्रकों को रोकने या इनपर कार्यवाई नही की जाती है।

जहां एक ओर न्यू आजाद नगर के निवासी इन समस्याओं से प्रतिदिन जूझ रहे है तो वहीं बरसात आने वाली है। बारसात के समय क्षेत्र में पानी की समूचित निकासी बाधित होने के कारण पूरा क्षेत्र तालाब बन जाता है। सडकों पर बने 1से डेढ फुट के गडढों में पानी भर जाता है। कच्ची गलियों में पानी भर जाता है। रपटन और उबड-खाबड सडकों पर चलने की स्थिति नही होती, मजबूर होकर लोगों को इन्ही टूटी सडकों से गुजना पडता है, जिससे आये दिन हादसे होते रहते है।

# कानपुर में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा घाटमपुर ओवरब्रिज, 4 साल में ही टूटा स्लैब

» बीपीएस न्यूज

घाटमपुर, कानपुर। करोड़ों रुपये की लागत से बने घाटमपुर ओवरब्रिज की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार करीब 46 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह ओवरब्रिज महज चार वर्ष के भीतर ही क्षतिग्रस्त होने लगा है। पुल के स्लैब का हिस्सा टूटने से राहगीरों और वाहन चालकों में दहशत का माहौल है। पुल की स्थिति को देखते हुए किसी बड़े हादसे की आशंका भी जताई जा रही है।

घटना के बाद क्षेत्रीय नागरिकों ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और जिम्मेदार एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं।

लोगों का कहना है कि जनता के टैक्स के करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद यदि कुछ वर्षों में ही पुल की संरचना कमजोर पड़ने लगे, तो इसकी निष्पक्ष और तकनीकी जांच कराई जानी चाहिए।

स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से ओवरलोड वाहनों का आवागमन जारी है। उनका कहना है कि यदि पुल की क्षमता से अधिक भार वाले वाहन लगातार गुजरते रहे हैं, तो इसकी निगरानी और रोकथाम की जिम्मेदारी संबंधित प्रशासनिक एवं परिवहन विभागों की भी बनती है। हालांकि, पुल क्षतिग्रस्त होने के वास्तविक कारणों की पुष्टि केवल विशेषज्ञों की तकनीकी जांच के बाद ही हो सकती है।

क्षेत्रवासियों ने मांग की है कि मामले की जांच के लिए स्वतंत्र समिति गठित की जाए, जो निर्माण गुणवत्ता, रखरखाव व्यवस्था, ओवरलोड वाहनों की आवाजाही और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच करे। यदि किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता पाई जाती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

जनता का सवाल है कि यदि करोड़ों रुपये की लागत से बना पुल चार साल में ही क्षतिग्रस्त हो जाए, तो इसकी जवाबदेही आखिर किसकी तय होगी?

# संतलाल हाते के सैकड़ों लोग पहुंचे नगर निगम मेयर पुत्र बंटी पांडेय के खिलाफ किया प्रदर्शन

» कानपुर मेयर तथा उनके पुत्र के खिलाफ लगाये नारे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम कानपुर में सैकडों लोग हाथों में श्लोगन लिखी पट्टी लेकिर पहुंच गये और मेयर प्रमिला पाण्डे तथा उनके पुत्र बंटी पाण्डे के लिखाफ जमकर पदर्शन करते हुए नारेबाजी की साथ ही आरोप लगाया कि संतलाल हाते अरबों की जमीन पर मेयर पुत्र बंटी की नजर है और इस लिए वहां सीवर नही पडने दिया जा रहा है। इस दौरान उपस्थित लोगों ने नगर आयुक्त को ज्ञापन भी सौंपा।

आपकों बता दें कि बीते दिनों नगर में मुख्यमंत्री योगी का आगमन हुआ था और उस दौरान नगर निगम पार्षद पवन गुप्ता ने कानपुर मेयर प्रमिला पाण्डे की शिकायत मुख्यमंत्री से की थी, जिसके बाद मेयर प्रमिला एक प्रसारित वीडियों में तिलमिलाती भी दिखाई दी थी। पार्षद पवन गुप्ता के वार्ड में पडने वाले संतलाल हाते के सैकडो लोग नगर निगम जा पहुंचे और उन्होने प्रमिला पाण्डे तथा उनके पुत्र बंटी पाण्डे के खिलाफ जमकर नारेबाजी व प्रदर्शन करते हुए आरोप लगाया कि संतलाल हाते में सीवर डालने का काम जानबूझ कर नहीं किया जा रहा है, क्यों कि हाते की अरबों की जमीन पर मेयर पुत्र बंटी की नजर है।

लोगों ने बताया कि प्रदेश की योगी सरकार शौचालयों पर जनता की सुविधा के लिए काम कर रही है लेकिन उन्हे तथा उनके बच्चों को शौचालय के लिए सडक पर जाना पडता है। इस समस्या के लिए पार्षद पवन गुप्ता ने टेंडर भी पास करा लिया था लेकिन इस अरबों की जमीन को हडपने के लिए मेयर पुत्र बंटी के कारण काम नही हो रहा है। अरोप लगाया कि मेयर प्रमिला उन्हे परेशारन कर रही है। लोगों ने चेतावनी दी कि यदि सीवर लाइन नही पडी तो वह आत्मदाह करेंगे। वहीं ज्ञापन के माध्यम से भी बताया कि टेंडर होने बाद भी काम नही हो रहा है। मेयर पुत्र बंटी भू-माफियाओं से मिलकर हाते की जमीन खरीदना-बेचना चाहते है। कार्य की असफलता को देख नगर निगम कार्यालय में मेयर और उनके पुत्र का विरोध करते हुए प्रदर्शन किया जा रहा है।

# पुलिस उपायुक्त यातायात ने अतिक्रमण एवं यातायात संचालन व्यवस्थाओं को लेकर चौराहों का किया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा मरियमपुर चौराहा, फज़लगंज चौराहा, बीओबी चौराहा, नन्दलाल चौराहा, चावला चौराहा, सचान चौराहा व नौबस्ता चौराहा का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उक्त चौराहों पर यातायात व्यवस्था, सड़क सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं, यातायात दबाव, अवैध अतिक्रमण तथा यातायात संचालन का अवलोकन किया गया।

प्रमुख चौराहों एवं मुख्य मार्गों पर अवैध अतिक्रमण, सड़क किनारे खड़े वाहनों तथा ठेला-खोमचा संचालकों के कारण उत्पन्न होने वाली यातायात बाधाओं को तत्काल हटाने हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया।

सभी प्रमुख चौराहों पर यातायात संचालन को सुगम व सुव्यवस्थित बनाए रखा जाए तथा जाम की स्थिति उत्पन्न होने पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

व्यस्त चौराहों पर यातायात का दबाव कम करने तथा जाम की स्थिति से निपटने के लिए आवश्यकतानुसार ट्रैफिक कर्मियों की तैनाती के निर्देश दिए गए।

सड़क निर्माण, खुदाई अथवा अन्य कार्यों के कारण प्रभावित यातायात व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने तथा संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया।

नो-पार्किंग क्षेत्रों में खड़े वाहनों के विरुद्ध प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

आमजन से संवाद स्थापित कर यातायात नियमों के पालन, निर्धारित स्थानों पर वाहन पार्क करने तथा सड़क सुरक्षा नियमों का अनुपालन करने की अपील की गई।

# सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत

कानपुर। कानपुर के चैबेपुर थाना क्षेत्र में रविवार की देर रात एक सडक हादसे में कार और बाइक की टक्कर होगयी। प्रत्यक्षदशियों की माने तो टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार युवक दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया, उसे तत्कार अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।जानकारी के अनुसार थाना चैबेपुर क्षेत्र के शंकरा आई हास्पिटल के सामने कानपुर-अलीगढ हाईवे के अण्डर पास पर एक कार और बाइक की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गयी जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से धायल हो गया। हादसे की जानकारी राहगीरों ने पुलिस को दी। युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गये जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस द्वारा मृतक के पास कागजो और मोबइल द्वारा ज्ञात हुआ कि उसका नाम गौतम कश्यप था और वह 28 वर्ष का था तथा गौशाला गांव का रहने वाला था।पुलिस ने घटना की जानकारी परिजनों को दी। पंचनामा भरने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। वहीं मौके पर खडी कार को जब्त कर लिया गया। थाना प्रभारी दुर्गेश मिश्रा के अनुसार घटना हुई जिसमें एक युवक की मौत हो गयी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज गाडी जब्त कर ली गयी है वहीं मृतक के परिजनों द्वारा तहरीर देने के उपरान्त कार्यवाई की जायेगी।

# युवक ने सास के साथ किया दुष्कर्म, पुलिस ने किया गिरफ्तार

कानपुर। कल्याणपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक ने सास के साथ किया दुष्कर्म। पहले तो अपने भाई की सास को कपड़े खरीदने के बहाने बुलाया फिर उसके साथ दुष्कर्म किया।

सहायक पुलिस आयुक्त कल्याणपुर दिलीप कुमार सिंह ने बताया कि, थाना कल्याणपुर पर अभियुक्त द्वारा अपने भाई की सास के साथ दुष्कर्म किए जाने के संबंध में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। घटना के बाद से अभियुक्त फरार चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु लगातार प्रयास किए जा रहे थे। थाना कल्याणपुर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है।

# यौमे आशूरा पर हर आंखें अश्कबार.... करबला में ताजिये सुपुर्द-ए-खाक

कानपुर,। करबला के मैदान में शहीद हुए हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की शहादत के दसवें दिन यौम-ए-आशूरा पर पूरे शहर में गम और अकीदत का सैलाब देखा गया। हर किसी की आंखें डबडबा गई। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से निकले ताजिया जुलूस में लाखों लोगों ने शिरकत की और करबला में ताजिये दफन कर दिये गये।

शुक्रवार को जुमा की नमाज के बाद छूरी, तलवार और जंजीरों से मातम कर इमाम-ए-आलीमकाम को नजराने अकीदत पेश किया गया। चमनगंज, बेकनगंज, बाबूपुरवा,

बेगमपुरवा, फजलगंज, जूही लाल कालोनी, बगाही, रावतपुर, रोशन नगर, मछरिया, जाजमऊ समेत शहर के विभिन्न क्षेत्रों से ताजिया जुलूस निकाले गये जो देर रात बड़ी करबला नवाबगंज, छोटी करबला मकबरा ग्वालटोली, बगाही करबला, रोशन नगर करबला, जाजमऊ करबला समेत शहर के सभी करबला में पहुंचते रहे।

इस दौरान सईदाबाद, चमनगंज, नई सड़क, बाबूपुरवा, छोटी बजरिया समेत शहर के विभिन्न इलाकों के इमामबाड़ों पर जरी, मोती, मोम के ताजिये भी करबला तक पहुंचे लेकिन इनको दफनाने के बजाए उनपर चढ़ाए गए चढ़उवा ताजिये, फूल मालाओं को करबला में दफना दिया गया। एक अनुमान के मुताबिक शहर की करबला में लगभग 3500 ताजिये दफनाये गये।

# देश भर के आस्थावान लोगों का चंदा चोरी...यह दुखद और शर्मनाक : प्रियंका गांधी

» बीपीएस न्यूज

वायनाड (केरल) कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए प्राप्त चंदे की कथित चोरी को दुखद और शर्मनाक बताते हुए शनिवार को कहा कि इसकी सुरक्षा के लिए जिम्मेदार लोगों को भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। वायनाड कलेक्ट्रेट में एक बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रियंका ने मांग की कि उत्तर प्रदेश सरकार मामले की गहन जांच कराए। उन्होंने कहा,यह वाकई दुखद है। देश भर से आस्थावान लोगों ने दान दिया था, और अब खबर है कि वह दान चोरी हो गया। मुझे लगता है कि यह दुखद और शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस बात की जांच करनी चाहिए कि क्या हुआ, कैसे हुआ और क्यों हुआ? कांग्रेस सांसद ने कहा कि देशव्यापी स्तर पर चंदा एकत्र करने के अभियान के तहत बहुत लोगों ने मंदिर के लिए योगदान दिया था और जिन्होंने चंदा इकट्ठा किया था, उन्हें भी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने कहा, लोगों ने दान दिया है, महिलाओं ने तो अपनी बचत से दिया है, और गरीब लोगों ने भी दिया है... यह सिर्फ बड़ी कंपनियों से मिला पैसा नहीं है। यह आम नागरिकों से इकट्ठा किया गया चंदा है। इसे इकट्ठा करने के लिए अभियान चलाया गया था। प्रियंका ने कहा, इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अगर आपने चंदा इकट्ठा किया था, तो उसे सुरक्षित रखना आपकी जिम्मेदारी है। मंदिर में कथित चंदा गबन मामले में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज की गई है। इसे उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) की प्रारंभिक रिपोर्ट की सिफारिशों के आधार पर दर्ज किया गया। सात जून को कथित अनियमितताओं के आरोप सामने आने के बाद एसआईटी का गठन किया गया था। मामले में आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

# अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का भूकंप, भारत तक कांपी धरती

**क्या वेनेजुएला के भूकंप से जुड़ा है बलूचिस्तान में लगा झटका?**

**बलूचिस्तान में जानमाल का कितना नुकसान?**

**रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता कितनी?**

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।अफगानिस्तान में आए भूकंप के झटके भारत के कई शहरों में महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। भूकंप के झटके लगने के बाद जम्मू-कश्मीर और गुरुग्राम में लोगों ने कंपन महसूस होने की बात कही। इससे पहले पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में भी शुक्रवार से अब तक पांच बार भूकंप के झटके लगे।अफगानिस्तान में आए भूकंप के झटके भारत में भी महसूस किए गए। जम्मू-कश्मीर से करीब 570 किलोमीटर दूर आए भूकंप के बारे में नेशनल सिस्मोलॉजी सेंटर ने बताया कि शनिवार शाम करीब 7.04 बजे भूकंप आया। एनसीएस के मुताबिक भूकंप धरती की सतह से करीब 215 किलोमीटर की गहराई में आया। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.2 मापी गई। फिलहाल जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। भारत में जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के गुरुग्राम में कुछ लोगों ने भूकंप के

## जम्मू-कश्मीर और गुरुग्राम में लोगों ने कंपन महसूस होने की बात कही

झटके महसूस होने की बात कही।

पड़ोसी देश अफगानिस्तान से सटे पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में भी शुक्रवार से अब तक पांच बार भूकंप के झटके महसूस किए जा चुके हैं। मध्यम तीव्रता वाले इन भूकंपों के कारण पांच लोग घायल हुए हैं। कुछ घरों को भी नुकसान पहुंचा है। अफगानिस्तान में शाम सात बजे लगे झटकों से पहले शनिवार सुबह बलूचिस्तान के बरखान और आसपास के इलाकों में ताजा झटके महसूस किए गए।

बलूचिस्तान प्रांत में भूकंपों की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.2 से 4.3 के बीच मापी गई। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के मुख्य मौसम विज्ञानी अमीर हैदर लेघारी ने बताया कि ये झटके एक फॉल्ट लाइन पर आए हैं।

वैज्ञानिकों के मुताबिक यह वैश्विक स्तर पर आए बड़े भूकंपों का परिणाम हो सकते हैं। लेघारी ने 25 जून को वेनेजुएला में आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दोहरे भूकंपों का जिक्र किया।अफगानिस्तान के भूकंप

से पहले दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए भूकंप के कारण 1000 से अधिक लोग मारे गए। 51,000 से अधिक लोगों के लापता होने की खबर है। लेघारी के अनुसार, वेनेजुएला के भूकंप से अन्य फॉल्ट लाइनों पर भी असर पड़ने की आशंका है। बलूचिस्तान भी एक फॉल्ट लाइन पर है, इसलिए यहां आने वाले दिनों और झटके आ सकते हैं।अफगानिस्तान में शनिवार शाम 6.2 तीव्रता का भूकंप आने के बाद दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों में भी भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप शाम 7.04 बजे आया।इसका केंद्र अफगानिस्तान में जमीन की सतह से 215 किलोमीटर की गहराई में था। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के पूर्वोत्तर क्षेत्र में जोर्म से 43 किलोमीटर दक्षिण में स्थित था।

# पांवटा साहिब में निहंगों का डेरा गिरफ्तार साथियों की रिहाई तक लौटने से इनकार

» बीपीएस न्यूज

हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में स्थित पांवटा साहिब गुरुद्वारे में 150 से अधिक निहंग डेरा डाले हुए हैं और उत्तराखंड में गिरफ्तार अपने संप्रदाय के चार सदस्यों की रिहाई का इंतजार कर रहे हैं।हिमाचल प्रदेश के सिरमौर जिले में स्थित पांवटा साहिब गुरुद्वारे में 150 से अधिक निहंग डेरा डाले हुए हैं और उत्तराखंड में गिरफ्तार अपने संप्रदाय के चार सदस्यों की रिहाई का इंतजार कर रहे हैं। इन चारों को स्थानीय लोगों के साथ हुई झड़प के बाद गिरफ्तार किया गया था।निहंग जत्थों ने अपनी आगे की रणनीति तय करने के लिए बैठक की और घोषणा की कि जब तक गिरफ्तार किये गये चारों निहंगों को रिहा नहीं किया जाता, तब तक वे पंजाब नहीं लौटेंगे।एक निहंग जत्थे ने बृहस्पतिवार को देहरादून के रास्ते उत्तराखंड में प्रवेश करने का प्रयास किया था। इस दौरान उन्हें प्रवेश करने से रोकने के लिए बड़ी संख्या में तैनात पुलिस के साथ उनकी झड़प भी हुई। हिमाचल-उत्तराखंड सीमा पर निहंगों और देहरादून प्रशासन के बीच जारी गतिरोध शुक्रवार को उस समय समाप्त हो गया, जब निहंगों ने उत्तराखंड की ओर अपना मार्च दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया।

निहंग जत्थे का नेतृत्व कर रहे जगदीप सिंह अकाली ने शुक्रवार को मीडिया से कहा कि उत्तराखंड प्रशासन ने उनकी मांगें पूरी करने के लिए दो दिन का समय मांगा है इसलिए उत्तराखंड में प्रस्तावित विरोध मार्च को अगले दो दिनों के लिए स्थगित कर दिया गया है।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि गिरफ्तार निहंगों को रिहा नहीं किया गया, तो वे अपना आंदोलन फिर से शुरू करेंगे। उत्तराखंड के चमोली जिले के कर्णप्रयाग बाजार में 16 जून को स्थानीय निवासियों और निहंगों के एक समूह के बीच हुआ विवाद हिंसक झड़प में बदल गया था। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर चार निहंगों को गिरफ्तार कर लिया था।बृहस्पतिवार शाम को निहंग जत्थे की पुलिस के साथ फिर झड़प हुई और उन्होंने सुरक्षा अवरोधक हटाकर हेमकुंड साहिब की ओर कूच करने की कोशिश की, जो उत्तराखंड का एक प्रमुख सिख तीर्थस्थल है।

# अस्पतालों-कोचिंग में कब थमेंगे अग्निकांड सुप्रीम कोर्ट में कानून बनाने की मांग

**अवैध बेसमेंट और छतों पर कब चलेगा हथौड़ा?**

**तीन महीने में क्यों न हो हर बिल्डिंग की जांच?**

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली।आखिर देश में बार-बार होने वाले अग्निकांडों और मासूमों की मौतों के लिए जिम्मेदार कौन है? क्या सुप्रीम कोर्ट में दायर यह याचिका देश भर के कोचिंग सेंटरों, स्कूलों और अस्पतालों को सुरक्षित बनाने के लिए एक सख्त राष्ट्रीय फायर सेफ्टी कानून लागू करवा पाएगी? क्या भ्रष्टाचार करने वाले और अवैध बेसमेंट को हरी झंडी देने वाले सरकारी अफसरों को कभी जेल भेजा जाएगा? देश में बार-बार होने वाले भीषण अग्निकांडों पर अब सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। इस याचिका में केंद्र सरकार को देश भर के उच्च जोखिम वाले सार्वजनिक परिसरों के लिए एक राष्ट्रीय अग्नि और जीवन सुरक्षा ढांचा तैयार करने का निर्देश देने की मांग की गई है।

इतना ही नहीं, इस याचिका में मांग की गई है कि केंद्र सरकार पूरे देश के लिए एक मजबूत फायर सेफ्टी कानून बनाए।यह याचिका वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने दायर की है। उन्होंने कहा कि स्कूल, कोचिंग, हॉस्टल, होटल, रेस्तरां, मॉल और अस्पतालों के लिए एक सख्त नियम होना चाहिए। भारी भीड़ वाली इन

जगहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम बेहद जरूरी हैं।

याचिका में सभी राज्यों को एक बड़ा निर्देश देने की मांग की गई है। वकील ने कहा कि तीन से चार महीने के भीतर सभी राज्यों में फायर ऑडिट होना चाहिए। खासकर कोचिंग हब, स्कूल, अस्पताल और मॉल की जांच पहले हो।दिल्ली और लखनऊ में दो बड़े हादसे हुए। याचिका में इन हादसों का जिक्र है। वकील ने कहा कि देश में एक जैसा कड़ा कानून नहीं है। इसी वजह से बार-बार ऐसी लापरवाही और मौतें हो रही हैं। याचिका में लिखा है, हादसे के बाद सिर्फ कमेटी बनाना काफी नहीं है। संविधान का अनुच्छेद 21 हर नागरिक को जीने का अधिकार देता है। सरकार का काम केवल शोक मनाना नहीं, बल्कि हादसों को रोकना है।याचिका में शीर्ष अदालत से कहा गया है कि सभी राज्य एक लिस्ट सौंपें। अदालत को बताया जाए कि कितनी बिल्डिंग बिना फायर एनओसी के चल रही हैं।अवैध बेसमेंट, छतों और बिना मंजूरी वाली मंजिलों पर क्लासरूम, लाइब्रेरी, कोचिंग या रेस्तरां चलाने पर तुरंत रोक लगे। बच्चों और छात्रों की सुरक्षा सबसे ऊपर होनी चाहिए। सिंगल एग्जिट यानी एक निकास वाली जगहों पर कोचिंग चलाना बंद हो।

# महाराष्ट्र शिक्षक पात्रता परीक्षा का पेपर लीक, टेस्ट स्थगित

महाराष्ट्र । रविवार को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी)-2026 को स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह फैसला ठाणे जिले के भिवंडी में हुई एक छापेमारी के बाद लिया गया, जिसमें कुछ लोगों के पास ऐसे कई प्रश्न मिले, जो वास्तविक प्रश्नपत्र के सवालों से मिलते-जुलते थे। महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, ÷परिषद परीक्षा को पूरी पारदर्शिता के साथ आयोजित कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। स्थिति की गंभीरता और मामले की गहन जांच की आवश्यकता को देखते हुए 28 जून, 2026 को निर्धारित परीक्षा को स्थगित किया जाता है।÷ ठाणे जिला प्रशासन के अनुसार, इस गड़बड़ी का पता शनिवार तड़के उस समय चला, जब पुलिस ने भिवंडी में परीक्षा के प्रश्नपत्रों से जुड़ी अनधिकृत जानकारी रखने वाले कुछ लोगों के बारे में मिली गोपनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई की। ठाणे जिला प्रशासन ने बताया, ÷संदिग्ध स्थान पर तत्काल छापेमारी की गई। जब्त की गई सामग्री की जांच और सत्यापन के लिए महाराष्ट्र राज्य परीक्षा परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों को तुरंत पुलिस ने बुलाया। गहन जांच के बाद यह पुष्टि हुई कि संदिग्धों के पास मिले कई प्रश्न 28 जून, 2026 को होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) के वास्तविक प्रश्नपत्र में शामिल सवालों से मेल खाते थे।

# निर्माणाधीन मैरिज लॉन की स्लैब गिरी, मलबे से निकाले गए 10 मजदूर, एक की मौत; घंटों चला बचाव कार्य

» समाज का साथी

बाराबंकी। कस्बा हैदरगढ़ के उपनिबंधक कार्यालय के सामने रनापुर गांव में शनिवार शाम निर्माणाधीन मैरिज लॉन की लॉबी की स्लैब अचानक भरभराकर ढह गई। हादसे के समय स्लैब के ऊपर और नीचे काम कर रहे कई मजदूर भारी मलबे में दब गए। पुलिस, फायर ब्रिगेड, एसडीआरएफ और ग्रामीणों ने संयुक्त रूप से राहत एवं बचाव अभियान चलाकर देर रात तक 10 मजदूरों को मलबे से बाहर निकाला।

इनमें एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो की हालत गंभीर बनी हुई है। आशंका है कि अभी भी कुछ मजदूर मलबे में दबे हो सकते हैं। देर रात तक राहत एवं बचाव कार्य जारी रहा।

पुलिस के अनुसार रायबरेली जिले के देदौरा दरीबा निवासी केपी सिंह अपनी ससुराल रनापुर में मिली जमीन पर पिछले कई महीनों से मैरिज लॉन एवं भवन का निर्माण करा रहे हैं। निर्माण का ठेका गौरैयापुरवा निवासी ठेकेदार देशराज रावत को दिया गया था। शनिवार शाम करीब साढ़े छह बजे लॉबी की स्लैब डालने का कार्य अंतिम चरण में था। इसी दौरान अचानक पूरी स्लैब भरभराकर नीचे गिर गई। हादसे के समय कई मजदूर स्लैब के ऊपर कंक्रीट डालने और नीचे सहारा संबंधी कार्य में लगे थे। देखते ही देखते पूरा ढांचा ढह गया और मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई।

आसपास के ग्रामीण सबसे पहले मौके पर पहुंचे और अपने स्तर से मलबा हटाकर मजदूरों को निकालने का प्रयास शुरू किया। सूचना पर कोतवाली पुलिस, फायर ब्रिगेड और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद जेसीबी मशीन, एसडीआरएफ और स्थानीय लोगों की मदद से युद्धस्तर पर राहत एवं बचाव अभियान शुरू कराया गया।

रेस्क्यू के दौरान ढकिया निवासी भाईलाल (32), रामसुख (35), धौरहरा निवासी प्रदीप (30), रामहेत, गौरैयापुरवा निवासी सर्वेश, सराय चौबे निवासी जमाना प्रसाद, रनापुर निवासी मुकेश, कान्हूपुर निवासी देशराज तथा करीब डेढ़ घंटे बाद कोठी क्षेत्र के सहरिया निवासी रामलखन को मलबे से बाहर निकालकर सीएचसी भेजा गया। करीब ढाई घंटे तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद त्रिवेदीगंज क्षेत्र के बद्दापर गांव निवासी मजदूर नौशाद अली का शव मलबे से बाहर निकाला गया। हादसे के बाद निर्माण कार्य से जुड़े जिम्मेदार लोग मौके से गायब हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह और पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय मौके पर पहुंच गए और राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी करते रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि मलबे में दबे अन्य लोगों की तलाश के लिए अभियान जारी है। सभी घायलों का उपचार कराया जा रहा है। हादसे के कारणों की जांच भी कराई जाएगी।

# तरबूज में मिले जिस जहर से गई थी पूरे परिवार की जान, उसी का कैप्सूल बनाकर बांट रहा था शातिर

» बीपीएस न्यूज

मुंबई। क्या मुंबई को दहलाने के लिए चूहे मारने वाले जहर को एक साइलेंट वेपन बना दिया गया है? जो जहर कल तक एक बंद कमरे में तरबूज के जरिए पूरे परिवार को लील गया, आज वही हजारों की भीड़ को मारने के लिए कैप्सूल की शक्ल में खुलेआम बांटा जा रहा था। पुलिस की मुस्तैदी से एक भयावह नरसंहार तो टल गया, लेकिन इन दोनों घटनाओं के पीछे छिपा असली मास्टरमाइंडकौन है और क्या आपकी थाली में रखा खाना वाकई सुरक्षित है? ये ऐसे सुलगते सवाल हैं जिनका जवाब मिलना अभी बाकी है।देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में सनसनीखेज और रूह कंपा देने वाले मामले का खुलासा हुआ है। जिस खतरनाक जहर ने दो महीने पहले एक ही परिवार के चार लोगों को हमेशा के लिए सुला दिया था, ठीक उसी जानलेवा केमिकल को दर्द की दवा बताकर भीड़ में बांटने वाले एक शातिर को पुलिस ने

रंगे हाथों दबोच लिया है। इस बड़ी कामयाबी से जहां मुहर्रम के जुलूस में होने वाली एक खौफनाक त्रासदी को टाल दिया गया, वहीं पूरी मायानगरी में इस जहर को लेकर हड़कंप मच गया है। आखिर इस खतरनाक साजिश के पीछे का मास्टरमाइंड कौन है? क्या मुंबई को दहलाने के लिए चूहे मारने वाले जहर का इस्तेमाल एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया जा रहा है?यह पूरा मामला दो कड़ियों में जुड़ा हुआ है, जिसकी पहली और खौफनाक कड़ी 25 अप्रैल 2026 की रात दक्षिण मुंबई के पायधुनी इलाके में सामने आई थी। यहां रहने वाले अब्दुल्लाह

**इस पूरे मामले की 7 बड़ी बातें**

**कातिल केमिकल एक ही- दोनों ही वारदातों में सबसे बड़ी समानता जिंक फॉस्फाइड जहर का इस्तेमाल है, जो पेट के एसिड से मिलकर चंद मिनटों में जानलेवा फॉस्फीन गैस बनाता है।बड़ी मास-पॉइजनिंग की साजिश- भायखला में अगर पुलिस समय रहते मुस्तैद न होती, तो हजारों लोग दर्द की दवा समझकर इस जहर को खा लेते और एक भीषण त्रासदी हो जाती।**

डोकाडिया (40), उनकी पत्नी नसरीन (35), बड़ी बेटी आयशा (16) और छोटी बेटी जैनब (13) ने अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर रात में बिरयानी खाई थी। सब कुछ ठीक था, लेकिन रात करीब 1 बजे पूरे परिवार ने बाजार से लाया गया तरबूज खाया। तरबूज खाते ही अचानक सबकी तबीयत बिगड़ने लगी। तेज उल्टी, दस्त और सांस फूलने के बाद चारों को तुरंत जेजे अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन कुछ ही घंटों के भीतर चारों की दर्दनाक मौत हो गई।

हाल ही में आई फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) की रिपोर्ट ने पुलिस के भी होश उड़ा दिए। मृतकों के लीवर, किडनी और स्प्लीन के साथ-साथ तरबूज के टुकड़ों में जिंक फॉस्फाइड नाम का घातक जहर पाया गया, जो आमतौर पर चूहे मारने के काम आता है। बिरयानी या अन्य किसी खाने में जहर का कोई अंश नहीं था। अब पुलिस के सामने सबसे बड़ा यक्ष प्रश्न यह है कि आखिर तरबूज के भीतर यह जहर कैसे पहुंचा? क्या किसी ने सुई के जरिए तरबूज में जहर इंजेक्ट किया था या यह कोई सोची-समझी सामूहिक हत्या थी? यह गुत्थी आज भी अनसुलझी है।

अभी अप्रैल महीने की उस मिस्ट्री से पर्दा उठा भी नहीं था कि शनिवार को भायखला इलाके में मुहर्रम जुलूस के दौरान मुंबई पुलिस ने एक बड़ी आतंकी जैसी साजिश को नाकाम कर दिया।

# कोलकाता के तारातला हादसे में 3 लोगों की मौत, कई हुए गंभीर रूप से घायल

» बीपीएस न्यूज

कोलकाता के तारातला इलाके में बुधवार को तीन मंज़िला निर्माणाधीन गोदाम के ढहने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और लगभग 15 मज़दूरों के मलबे में दबे होने की आशंका है। इसके बाद सेना, नेशनल डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फ़ोर्स (ह्रष्ठक्रस्र), स्टेट डिज़ास्टर रिस्पॉन्स फ़ोर्स पुलिस और फ़ायर सर्विस की मदद से बड़े पैमाने पर बचाव अभियान चलाया गया। बचावकर्मी तेज़ी से काम कर रहे थे, तभी मुड़े-तुड़े स्टील और कंक्रीट के नीचे से मदद के लिए पुकार सुनाई दी, जिससे उम्मीद जगी कि मलबे के नीचे अभी भी कुछ और मज़दूर ज़िंदा हो सकते हैं। अब तक 21 मज़दूरों को बाहर निकालकर अस्पतालों में पहुँचाया गया है, जिनमें से कई की हालत गंभीर है। बचाव दल उन लोगों की तलाश कर रहे हैं जिनके मलबे के नीचे दबे होने की आशंका है। शहरऔर स्थानीय मार्गदर्शिका

पश्चिम बंगाल के नेता शुभेंदु अधिकारी ने घटनास्थल का दौरा किया और कहा कि फँसे हुए लोगों को बचाने के लिए सभी एजेंसियाँ मिलकर काम कर रही हैं। अधिकारी ने कहा ह्रष्ठक्रस्र, सेना, स्रष्ठक्रस्र, पुलिस और फायर डिपार्टमेंट सभी मिलकर यहाँ काम कर रहे हैं। इक्कीस लोगों को बचाया गया

है। तीन लोगों की मौत हो गई है। स्थ्यरूअस्पताल काम कर रहा है। लगभग 12-15 लोग अंदर फँसे हुए हैं। अधिकारी अभी भी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इमारत गिरने के समय कितने मज़दूर वहाँ मौजूद थे, हालाँकि शुरुआती रिपोर्टों से पता चलता है कि उस समय अंदर 40 से 50 मज़दूर काम कर रहे होंगे। निर्माण कार्य के दौरान लोहे के बड़े-बड़े बीम और कंक्रीट के स्लैब गिर गए, जिससे कई मज़दूर मलबे के नीचे दब गए।

इमारत गिरने के तुरंत बाद इमरजेंसी टीमें मौके पर पहुंचीं और बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया। राज्य सरकार और आपदा प्रबंधन अधिकारियों के अनुरोध पर भारतीय सेना की चार टुकड़ियों को तैनात किया गया। ह्रष्ठक्रस्र, स्रष्ठक्रस्र, पुलिस और फायर विभाग के कर्मचारी मलबे के नीचे फंसे मजदूरों तक पहुंचने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। मुड़े हुए स्टील और कंक्रीट को काटने के लिए गैस कटर का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि उन जगहों तक पहुंचने के रास्ते बनाने के लिए वर्टिकल ड्रिलिंग की जा रही है जहां बचे हुए लोग फंसे हो सकते हैं। ह्रष्ठक्रस्र ने गिरी हुई इमारत के नीचे जीवन के संकेत खोजने के लिए स्निफर डॉग्स और ड्रोन भी तैनात किए हैं। बचावकर्मी बेहद मुश्किल हालात में काम कर रहे हैं और वे सावधानी से मलबा हटा रहे हैं ताकि और कोई हिस्सा न गिर जाए।

# अवैध रूप से बने बेसमेंटों में संचालित होती है कोचिंग, शोरूम, ऑफिस तथा अन्य गतिविधियां

- » व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा बेहिसाब बेसमेंट में बनाये गये शोरूम
- » में ही अस्पतालो के साथ ओपीडी का भी हो रहा संचालन
- » शहर में बने हजारो अवैध बेसमेंटो का किया जा रहा व्यवसायिक उपयोग
- » मुस्लिम क्षेत्रों में बेसमेंट में चल रहे बडे-बडे कारखाने







» बीपीएस न्यूज

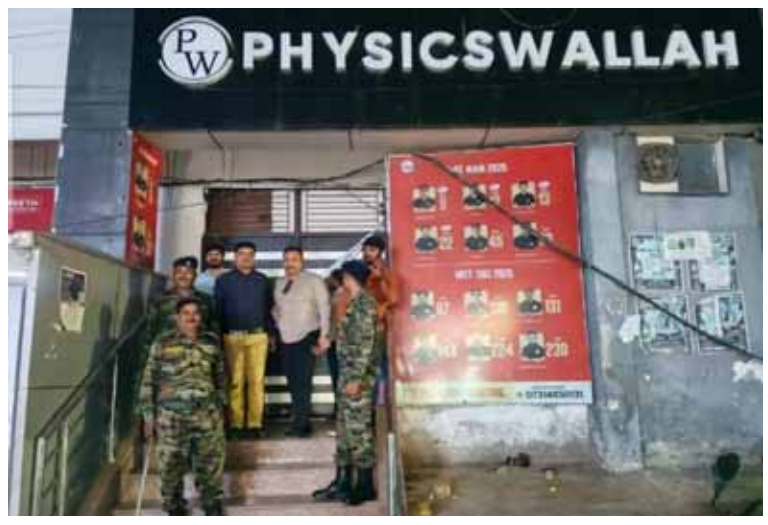

कानपुर। पहले दिल्ली और फिर लखनऊ में हुए अग्निकाण्ड के बाद एक बार कानपुर का प्रशासन जाग उठा है, लेकिन प्रश्न यह उठता है कि इन अवैध बेसमेंटों का निर्माण हुआ कैसे या बेसमेंट को व्यापारिक गतिविधियों में कैसे उपयोग किया जा रहा है। यकीनन इसमें विभागीय अधिकारियों की सांठ-गांठ है। जब कोई बडा हादसा होता है तब महज दिखावे के लिए कुछ दिनों जांच, नोटिस का परपंच रचा जाता है, बाद इसके होना कुछ नही। हालांकि भाजपा प्रदेश सरकार के योगी शासन में अधिकारियों पर कुछ भय तो है ही , लेकिन फिर भी कार्यवाई कितनी होती है यह आने वाला समय ही तय करेगा। वर्तमान में हजारों की संख्या में या तो अवैध बेसमेंट बने है या फिर बेसमेंटों में अवैध तरीके से व्यापारिक गतिविधियों को किया जा रहा है।

यह भारत है यहां हर किसी को आजादी मिली हुई है और कोई भी अपनी मनमानी कर सकता है और करे भी क्यों न विभागीय अधिकारिया व कर्मचारियों की मेहरबानी बनी रहती है। शहर में हजारों की संख्या में अवैध बेसमेंट है, जहां कारखाने, कोचिंग, मैरिज हॉल यहां तक की अस्पताल व ओपीडी का संचालन किया जा रहा है। लखनऊ में हुए अग्निकांड में 15 लोगों की मौत के बाद केडीए अधिकारियों की नींद टूटी है और कार्यवाही के दौरान जहां कई अवैध बेसमेंट तथा उनमें होने वाली व्यापारिक गतिविधियों पर संचालकों को नोटिस जारी की गयी तो कई प्रतिष्ठानों को सील किया गया है।

**अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल**

ऐसा क्यों होता है कि सब कुछ सामान्य स चल रहा होता है, फिर कोई हादसा होता है और अचानक अधिकारी जाग जाते है। झटपट छापेमारी, जांच और कार्यवाई का दौर चलने लगता है और कुछ ही समय में फिर से सब सामान्य हो जाता है। बेसमेंट का व्यापारिक उपयोग कोई कल से नही शुरू हुआ। वर्षो से बेसमेंट में यह चल रहा है। सवाल यह उठता है कि अभी तक विभाग क्या कर रहा है। यह अवैध बेसमेंट तैयार कैसे हो गये और इन्हे व्यापार के लिए उपयोग में क्यो लाया जा रहा है।

**पूरे शहर में बने अवैध बेसमेंटो का अवैध तरीके से व्यापारी उपयोग**

कानपुर नगर में एक-दो नही हजारों की संख्या में अवैध बेसमेंट बने है और उन्हे व्यापार के लिए उपयोग किया जा रहा है। कानपुर कोचिंग हब कहे जाने वाले काकादेव, गीता नगर, विनायकपुर, रोशन नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में जहां एक ओर बेसमेंट में कोचिंग का संचालन बडे पैमाने पर किया जा रहा है तो वहीं बाहर से शहर आकर पढने वाले हजारो छात्रों को रहने के लिए चोरी छिपे घरों को हास्टल के रूप में परिवर्तित कर दिया गया

और इतना नही घरों में बेसमेंट बनवाकर छोटे छोटे कमरे बनवा दिये गये, जिसमें एक या दो बेड डालकर मोटी कमाई की जा रही है। पता यह भी लगा है छात्रों के खाने-पीने की व्यवस्था के लिए इन्ही बेसमेंटों में रसोई का भी संचालन किया जाता है। हादसे के बाद अधिकारी मौन है, जवाब नही दे पा रहे है लेकिन साफ समझ आता है कि बिना विभागयी सहायता के अवैध बेसमेंट न तो बन सकते है और न ही इनमें किसी प्रकार का व्यापार संचालित किया जा सकता है।

**दुकानदारों ने बिना विभागीय सूचना के बनवा लिए बेसमेंट, चला रहे शो रूम**

कानपुर में बडी बाजारो और थोक बाजारों में व्यापारियों ने अपनी सुविधा के हिसाब से काफी गहरे बेसमेंट बना लिए है। कुछ रिहाईशी क्षेत्रो और व्यापारिक क्षेत्रों में तीन-तीन मंजिल नीचे तक बेसमेंट बनाकर ऑफिस संचालित किए जा रहे है। नया गंज में जितनी बिल्डिंग ऊपर दिखाई देती है उससे कहीं ज्यादा अण्डर ग्राउण्ड बनी है।।

इससे भी बडी बात कि यदि कोई हादसा होता है तो ऐसे बेसमेंट से निकलने का कोई दूसरा रास्ता नही है। शहर के गोविन्द नगर की चावला मार्केट, साकेत नगर, गुमटी नं0-5, नवीन मर्केट, पीपीएन मार्केट, शिवाला, मेस्टनरोड, नई सडक, बेगम गंज, चमनगंज, कलक्टर गंज, घसियारी मण्डी, भूसा टोली, आर्य नगर, स्वरूप नगर, नया गंज, शक्कर पटटी, हूलागंज, बिरहाना रोड, माल रोड सहित लगभग पूरे शहर में ही अवैध बेसमेंट तथा उनमें व्यापारिक गतिविधियां की जा रही है।

**ज्यादा खतरनाक अस्पताल जहाँ बेसमेंट में चल रही ओपीडी**

कानपुर में हजारो प्राइवेट अस्पताल है जो एक तरफ मानको के विपरीत बने तो वहीं इनमें गहरे-गहरे बने बेसमेंटो में ओपीडी तथा वार्ड का संचालन किया जा रहा है जिनमें हजारो मरीजों का इलाज किया जा रहा है। इतना ही नही मरीजो के साथ रहने वाले तीमारदारो की भी इन हादसो के दैत्यो के बीच जिंदगी खतरे मे बनी रहती है। यहां इन अस्पतालों की संख्या को गिनाया नही जा सकता लेकिन कोई ऐसा अस्पताल नही जहां एक-दो खंड जमीन के नीचे न बने हो। इसके अलावा लापरवाही इतनी कि इन अस्पतालों में बाहर निकलने का रास्ता भी एक वह भी सीढियां, कुछ अस्पतालों में लिफ्ट लगी भी है तो भी यदि कोई दुघर्टना होती है जो जान हानि बडी होने से कोई नही रोक सकता।

कई होटलो में भी अवैध बेसमेंट बने है। होटलों में बेसमेंट पार्किग के लिए होता है लेकिन यहां व्यापार के लिए इनका उपयोग किया जा रहा है। जरनल गंज, काहूकोठी, कर्नलगंज, गम्मू खां का हाता, नई सडक, हालसी रोड जैसी भीड-भाड ऐरिया में बेसमेंट में व्यापार किया जा रहा है। कहीं कहीं तो बडे-बडे गोदामो के रूप में बेसमेंट का उपयोग हो रहा है। कुछ भी हो लेकिन विभागीय अधिकारी आंख बंद किए रहते है। कोई भी मोटी रकम देकर कितना भी गलत काम कर सकता है। अब देखना यह है कि योगी सरकार में अधिकारियों के कितने पेंच कसे जाते है और शहर के इन अवैध बेसमेटों पर कितनी कार्यवाई की जाती है।

# शहर के बाहर जाने के चौराहों पर प्राइवेट वाहनो का बड़ा खेल जारी

## विभाग व पुलिस की अनदेखी, लापरवाही या फिर मिली भगत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के बाहर जाने वाले मुख्य चौराहो पर बडे स्तर पर प्राइवेट वाहनो द्वारा खेल किया जा रहा है। बडी बात यह कि काफी समय से किए जा रहे इस काम पर न तो पुलिस और न ही विभागीय अधिकारियों की नजर गयी। ऐसा हो ही नही सकता है इसकी जानकारी उन्हे न हो। इसे लापरवाही या अनदेखी नही कहा सकता। यह खेल सांठ-गांठ का है। इस कारण जहां यात्रियों की जान खतरे में रहती है तो कभी भी बडी अपराधिक गतिविधी को भी अंजाम दिया जा सकता है साथ ही राजस्व की जो हानि हो रही है वह अलग।बताते चले कि शहर के बाहर जाने में मुख्य मार्गो के चौराहो या कहें तो वह स्थान पहां सवारियां मिलती है वहां पर काफी समय से प्राइवेट वाहनो का खेल चल रहा है। पनकी बाईपास चौराहा, कल्याणपुर क्रासिंग, गोल चौराहा, रमादेवी, नौबस्ता चौराहे के साथ अन्य कई स्थानों पर प्राइवेट वाहन धडल्ले से सवारियों को भर रहे है। ऐसा भी नही कि सरकारी बसों से कम पैसा ले रहे हो। कारण यह कि सारा खेल विभागीय अधिकारियो और पुलिस विभाग की सेटिंग से खेला जरा है। हजारो की संख्या में बढिया कारें मुख्य चौराहो पर खडी रहती है और सवारियों को भरकर निकल जाती है।

**रामादेवी चौराहे पर प्राइवेट वाहनो की भीड**

कानपुर के अति व्यस्त चौराहो में एक रामादेवी चौराहे के तीनो तरफ लखनऊ मोड, रनिया या घाटमपुर जाने वाला मार्ग और चौराहा पार करके फतेहपुर जाने वाले मार्ग पर दर्जनों प्राइवेट कारे खडी रहती है। इन कारो से सवारियों को ले जाया जाता है। हमारी संस्थान के पत्रकार फतेहुपर से वापसी में देखा की वहां से भी कानपुर के लिए कारे लगी हुई है। इतना ही नही कन्नौज, लखनऊ, घाटमपुर, फतेहपुर, रनिया आदि स्थानों के लिए कारे आसानी से चौराहो पर मिल जाती है।

**प्राइवेट कारों के कारण लगता है जाम**

चौराहे पर इन प्राइवेट कारों के खडे होने के कारण हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है। बडी बात यह कि पुलिसकर्मी अन्य वाहनों को चौराहो से हटवाता दिखाई देता है लेकिन कार वालों से कुछ नही बोलता, इससे साफ साबित होता है खेल सेंटिग से चल रहा है। इसपर रामादेवी चौराहे पर तैनात एक पुलिसकर्मी से जब बात की गयी तो वह कुछ नही बोला।

**प्राइवेट वाहनो से हो सकती है आपराधिक घटनायें**

चौराहो पर सवारियों को भरकर उनके अपने गंतव्य तक पहुंचो वाली यह कारे कभी भी जहां दुघर्टना का पर्याय बन सकती है तो कभी भी इनसे आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा सकता है। 24 घटें कारो की सेवा उपलब्ध रहती है। ऐसे में यात्रियों की जान-माल का खतरा बना रहता है। कहीं यात्रियों के साथ लूट आदि की वारदारों को अंजाम दिया जा सकता है। लंबी यात्रा के दौरान कई स्थान सूनसान होते है ऐसे में कार चालक के पहले से मौजूद लोग घटना को भी अंजाम दे सकते है।

**आंखे बंद किए बैठे विभागीय अधिकारी**

यह कोई अभी शुरू किया गया काम नही है। काफी समय से प्राइवेट वाहनों द्वारा सवारियों को ढोने का काम किया जा रहा है। कई बार समाचार पत्रों में खबर भी प्रकाशित हुई, लेकिन कार्यवाही के नाम पर कुछ नही हुआ। एक कार चालक ने बताय कि यह अच्छा धंधा है और 100 किलोमीटर के 2 से 3 फेरे दिन में लग जो है। जाने और आने में दोनो तरफ से सवारिंया मिलती है, धंधा अच्छा चलता है। वहीं पुलिस द्वारा परेशान करने की बात पर उसने कहा कि पुलिस को हिस्सा देना पडता है वर्ता यहां खडा होना भी दूभर होता।

अब बात करते है कि ऐसा क्यों हो रहा है। आसानी से देखा जा सकता है कि झकरकटी से बसें अधिकांश कम सवारियों के साथ चलती है।बसों को सवारियों के लिए सडकों पर खडा रहना पडता है। बीच में यह समाचार आपने सुना होगा कि रोडवेड बसों के कारण झकरकटी पुलिस व टाटमिल चौराहे पर लगा रहता जाम। इन प्राइवेट वाहनों के कारण सरकारी बसों में यात्रियों की आने वाली संख्या पर प्रभाव पडा है। मुख्य बात ये है कि यह कारे टैक्सी कोटे की नही, बल्कि सामान्य नंबर प्लेट वाली होती हैं। यदि जल्द ही इस पर कोई कार्यवाई नही की गयी तो स्थिति गंभीर होती जायेगी और ऐसे में राजस्व का भी बडा नुकसान होता रहेगा।

# हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी नहीं थमा विवाद
## शासन और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचा मामला



» बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंद नगर के ब्लॉक-8 स्थित सार्वजनिक पार्क को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि नगर निगम के कुछ अधिकारियों, ठेकेदारों एवं अन्य संबंधित व्यक्तियों की मिलीभगत से पार्क की हरियाली समाप्त कर सरकारी धन से इंटरलॉकिंग बिछाई गई, जिससे पार्क के भीतर हुए विवादित निर्माण और अतिक्रमण को स्थायित्व प्रदान करने का प्रयास किया गया। नागरिकों का कहना है कि जिस पार्क का संरक्षण किया जाना चाहिए था, उसी के मूल स्वरूप को बदल दिया गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, पार्क में पहले लगभग 10म10 फुट के छोटे चबूतरे पर स्थापित मूर्तियों के आसपास धीरे-धीरे निर्माण का विस्तार किया गया। पहले चबूतरे का आकार बढ़ाया गया, फिर चारों ओर दीवार खड़ी कर आरसीसी स्लैब डाली गई। मोहल्ले के लोगों के विरोध के चलते निर्माण कुछ समय के लिए रुका, लेकिन बाद में दोबारा शुरू होकर वहां कथित बालाजी मंदिर स्थापित कर दिया गया। वर्तमान में मंदिर के गुंबद का निर्माण भी जारी रहने का दावा किया जा रहा है।

आरोप है कि पार्क के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से से पेड़-पौधे, हरियाली एवं घास हटाकर नगर निगम के बजट से इंटरलॉकिंग बिछा दी गई, जिससे पार्क का प्राकृतिक स्वरूप लगभग समाप्त हो गया। घनी आबादी वाले इस क्षेत्र में अधिकांश परिवार निम्न एवं मध्यम वर्ग से संबंधित हैं और बच्चों के खेलने तथा बुजुर्गों के टहलने के लिए यही एकमात्र सार्वजनिक पार्क है।

मामले में दायर जनहित याचिका संख्या 1023/2026 पर सुनवाई करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 22 अप्रैल 2026 को स्पष्ट किया था कि पार्क, खेल मैदान एवं खुले स्थानों पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है तथा संबंधित प्राधिकरणों का दायित्व है कि वे ऐसे अतिक्रमण हटाकर पार्क को उसके मूल स्वरूप में बहाल करें। न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी एवं न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की खंडपीठ ने यह भी गंभीर आश्चर्य व्यक्त किया था कि गोविंद नगर के ब्लॉक-8 स्थित पार्क एवं प्लेग्राउंड के रूप में आरक्षित भूमि पर निर्माण आखिर कैसे होने दिया गया।

याचिकाकर्ता का कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन में केस्को को भी पत्र देकर विवादित निर्माण पर किसी भी प्रकार का स्थायी अथवा अस्थायी विद्युत संयोजन जारी न करने का अनुरोध किया गया था। इसके बावजूद विवादित निर्माण पर विद्युत संयोजन जारी कर दिया गया, जिससे न्यायालय के आदेशों के अनुपालन पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

याचिकाकर्ता ने एक अन्य महत्वपूर्ण मुद्दा उठाते हुए बताया कि नगर निगम ने सूचना के अधिकार के तहत उपलब्ध कराई गई जानकारी में इस पार्क का नाम ÷ब्लॉक-8 पार्क÷ दर्ज किया है। इसके अतिरिक्त नगर निगम कार्यकारिणी ने 16 जनवरी 2025 को प्रस्ताव पारित कर पार्क का नाम समाजसेविका रामदेवी आर्य पार्क रखने का निर्णय लिया था। इसके बावजूद हाईकोर्ट के आदेश के बाद पार्क में कराए गए विकास कार्य के शिलापट्ट से ÷ब्लॉक-8 पार्क÷ अंकित शिलापट्ट हटाकर उसकी जगह ÷बालाजी पार्क÷ नाम का नया शिलापट्ट स्थापित कर दिया गया, जिस पर मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक एवं महापौर के नाम भी अंकित हैं।

याचिकाकर्ता ने सवाल उठाया है कि जब नगर निगम के अभिलेखों में पार्क का नाम ब्लॉक-8 पार्क दर्ज है और कार्यकारिणी द्वारा उसका नाम रामदेवी आर्य पार्क निर्धारित किया जा चुका है, तब ÷बालाजी पार्क÷ नाम का नया शिलापट्ट किसके आदेश पर लगाया गया। यदि नगर निगम ने ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया, तो ठेकेदार गुड्डू को स्वीकृत पार्क का नाम बदलने का अधिकार किस अधिकारी अथवा सक्षम प्राधिकारी ने दिया? उनका आरोप है कि यह पूरा घटनाक्रम विवादित निर्माण को स्थायित्व देने के उद्देश्य से किया गया प्रतीत होता है तथा इसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।इस बीच मामला अब स्थानीय स्तर से आगे बढ़कर शासन और प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंच गया है। याचिकाकर्ता द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय के जन शिकायत पोर्टल पर भेजी गई शिकायत पर संज्ञान लेते हुए उसे उत्तर प्रदेश शासन को अग्रिम कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया है। वहीं नगर विकास मंत्री को भेजे गए प्रार्थना पत्र पर उनके निजी सचिव ने टिप्पणी अंकित कर उसे प्रमुख सचिव, नगर विकास विभाग को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दिया है।

सूत्रों के अनुसार शनिवार को नगर निगम का प्रवर्तन दस्ता पार्क पहुंचा, जिससे स्थानीय लोगों में कार्रवाई की उम्मीद जगी। हालांकि, क्षेत्रीय नागरिकों का आरोप है कि दस्ते ने विवादित निर्माण को हटाने के बजाय कथित बालाजी मंदिर में चल रहे निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा करने की मौखिक सलाह देकर वापस लौट गया, जबकि पार्क के पश्चिमी हिस्से में स्थित छोटे राधाकृष्ण मंदिर के निकट हुए अतिक्रमण को दो दिन के भीतर हटाने की चेतावनी दी गई।

# 31 जुलाई तक करें प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। वर्ष2026 के लिए केंद्र सरकार द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिए आवेदन स्वीकार की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक आवेदन किए जा सकते है।

बच्चों को दिया जानेवाला प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल परुस्कार 2026 की आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह पुरसकार बच्चों को उनकी वीरता, समाज के लिए सेवा भार, पर्यावरण संरक्षण, खेल, कला, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौधोगिकी के क्षेत्र में उनकी प्रतिभा के आधार पर दिया जा है। बताया जाता है कि इस पुरस्कार में आवेदन करने के लिए केंद्र सरकार की आधिकारिक वेबसाइट पर जांकर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। वहीं इससे जुडी जानकारी प्राप्त करने के लिए कलेक्ट्रेट के कक्ष संख्या- 6 जिला प्रोबेशन कार्यालय में संपर्क भी किया जा सकता है। बताया गया कि इस परुस्कार के लिए जिनककी आयु पांच से 16 वर्ष के बीच की होगी वह बालक-बालिकायें पात्र होगी साथ ही 31 जुलाई 2026 के आधार पर आयु गणना की जायेगी।

**डिप्लोमा इन गाइडेंस साइकोलाजी के लिए भी 5 जुलाई तक कर सकते है आवेदन**

मनोविज्ञानशाला, प्रयागराज द्वारा संचालित डिप्लोमा इंन गाइडेंस साइकोलाजी क लिए भी आवेदन स्वीकार किए जा रहे है। इस सम्बन्ध में बताया गया कि इसके लिए जारी की गई वेबसाइट पर जाकर इच्छिुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र प्रापत कर सकते है और आवेदन कर सकते है। इसके लिए एक जुलाई2026 तक अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष है। इस कोर्स में आवेदन करने के लिए एमए या एमएड द्वितीय श्रेणी में पास होना अनिवार्य है।

# कानपुर मेट्रोः शेष सेक्शन का सीएमआरएस निरीक्षण अंतिम चरण में, पूरे हुए अधिकांश महत्वपूर्ण परीक्षण

कानपुर। कानपुर मेट्रो कॉरिडोर-1 (आईआईटी-नौबस्ता) के अंतर्गत शेष सेक्शन (कानपुर सेंट्रल-नौबस्ता) पर मेट्रो रेल संरक्षा आयुक्त (सीएमआरएस) नीलाभ्र सेनगुप्ता एवं उनकी पांच सदस्यीय टीम द्वारा किया जा रहा निरीक्षण एवं मूल्यांकन अंतिम चरण में पहुंच गया है। निरीक्षण के दूसरे दिन स्टेशन निरीक्षण, सिग्नलिंग प्रणाली की व्यापक जांच, हाई-स्पीड रन तथा अन्य प्रमुख तकनीकी परीक्षण सफलतापूर्वक संपन्न किए गए। इसके साथ ही समग्र कॉरिडोर-1 की फाइनल इंटीग्रेटेड टेस्टिंग भी पूरी हो गई है, जिसके बाद मेट्रो सेवाएं कल से पुनः अपने निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार संचालित होंगी।



निरीक्षण के दूसरे दिन सीएमआरएस ने नवीन मार्केट स्टेशन से मेट्रो ट्रेन द्वारा निरीक्षण प्रक्रिया की शुरुआत की। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में ट्रेन के विभिन्न तकनीकी पहलुओं का परीक्षण करते हुए अधिकारियों का दल नवनिर्मित सेक्शन के अंतिम स्टेशन नौबस्ता तक पहुंचा। टीम ने मोटर ट्रॉली के माध्यम से नौबस्ता से कानपुर सेंट्रल तक 'अप-लाइन' ट्रैक का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सभी एलिवेटेड स्टेशन (नौबस्ता, बौद्ध नगर, वसंत विहार, किदवई नगर एवं बारादेवी) तथा अंडरग्राउंड स्टेशन (ट्रांसपोर्ट नगर और झकरकटी) का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रत्येक स्टेशन पर यात्री सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं एवं प्रावधानों का गहन परीक्षण किया गया। तकनीकी कक्षों, स्टेशन कंट्रोल रूम, एस्केलेटर, लिफ्ट, फायर अलार्म सिस्टम तथा प्लेटफॉर्म के बुनियादी ढांचे सहित विभिन्न सुविधाओं का सूक्ष्मता से निरीक्षण एवं मूल्यांकन किया गया।

**आईआईटी से नौबस्ता तक कॉरिडोर 1 की इंटीग्रेटेड टेस्टिंग**

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीएमआरसी) के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने इस अवसर पर कहा,÷सीएमआरएस निरीक्षण प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों के अनुरूप हाई-स्पीड टेस्ट, स्पीड एवं ब्रेकिंग टेस्ट जैसे परीक्षणों का अत्यंत सावधानीपूर्वक और वैज्ञानिक ढंग से विश्लेषण किया जाता है।

तकनीकी जांच का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। कानपुर मेट्रो ने निर्माण के दौरान अनेक चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करते हुए शहर के इतिहास में एक उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। हमारा मेट्रो कॉरिडोर शहर के सबसे व्यस्त क्षेत्रों से होकर गुजरता है, जिससे आने वाले समय में शहर के अंदर यात्रा अधिक सुरक्षित, सुगम, तेज एवं सुविधाजनक हो जाएगी।

# शरद प्रकाश अग्रवाल को ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर की केंद्रीय समिति का आमंत्रित सदस्य किया गया नियुक्त

कानपुर। ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर जो कि भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त एक गैर-राजनीतिक केंद्रीय ट्रेड यूनियन है। इस प्रमुख श्रमिक महासंघ की केंद्रीय समिति में उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ केंद्रीय अधिकारी, कर्मचारी एवं श्रमिक नेता शरद प्रकाश अग्रवाल (कानपुर निवासी) को ज्ञष्टष्ट की केंद्रीय समिति का आमंत्रित सदस्य नियुक्त किया गया है।



श्रमिक आंदोलन के साथ उनके दीर्घकालीन जुड़ाव, श्रमिक हितों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता तथा ट्रेड यूनियन गतिविधियों में उनके बहुमूल्य अनुभव के लिए ज्ञष्टष्ट नेतृत्व द्वारा अत्यधिक सराहना की गई। केंद्रीय समिति का विश्वास है कि उनका मार्गदर्शन, सुझाव एवं सक्रिय सहभागिता संगठन को सुदृढ़ बनाएगा तथा संघ की गतिविधियों एवं उद्देश्यों की पूर्ति में उनका महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।

उनको यह दायित्व सौंपे जाने से उम्मीद की है कि वह अपने राज्य तथा देशभर में राज्य एवं केंद्र सरकार के कर्मचारियों को एकजुट करने, संगठित करने तथा उन्हें ट्रेड यूनियन आंदोलन से जोड़ने का कार्य करेंगे, ताकि ज्ञष्टष्ट विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों तक अपनी पहुँच बढ़ा सकेगा साथ ही वे कर्मचारियों से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों को सीधे अथवा ज्ञष्टष्ट के राष्टीय नेतृत्व के माध्यम से संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष उठाएंगे। तदनुसार, उनसे अनुरोध किया गया है कि वे TUCC केंद्रीय समिति की बैठकों एवं कार्यक्रमों में एक आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग लेकर श्रमिकों एवं संगठन के हितों को आगे बढ़ाने में अपना बहुमूल्य सहयोग एवं समर्थन प्रदान करें।संघ को आशा है कि वे संगठन के अनुशासन, मर्यादा एवं गरिमा को सदैव बनाए रखेंगे तथा संगठन की प्रतिष्ठा को और अधिक ऊँचाइयों तक पहुँचाने में योगदान देंगे। इसकी जानकारी मिलने पर अन्य विविध कर्मचारी एवं श्रमिक संघों के अनेक वरिष्ठ लोगों ने अपनी शुभकामनायें प्रेषित करते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

# बेकनगंज में जुलूस के दौरान पथराव से मची भगदड़

» प्रधानमंत्री मोदी ने बनाया 4,399 दिनों की निरंतर सेवा का अभूतपूर्व रिकॉर्ड

» तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के रिकॉर्ड को छोड़ा पीछे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बजरिया थाना क्षेत्र के बेकनगंज इलाके में जुलूस के दौरान दो पक्षों में जमकर लाठी डंडे चल गए। इस दौरान लोगों ने एक दूसरे पर जमकर पथराव कर दिया। इससे वहां पर अफरातफरी मच गई।शनिवार रात सोशल मीडिया पर घटना के तीन अलग-अलग वीडियो वायरल हो गए जिसके बाद कमिश्नरी के अधिकारियों के होश उड़ गए। आनन-फानन डीसीपी सेंट्रल ने थाना प्रभारी को फटकार लगाते हुए एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर माहौल खराब करने का प्रयास करने वाले लोगों को चिन्हित करना शुरू कर दिया है।

बेकनगंज के बाबा मार्केट में 38 सेकंड के वायरल वीडियो में रात के समय भारी भीड़ के साथ जुलूस निकलता दिखाई दे रहा है।

सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग मौजूद हैं। वीडियो में आगे चल रहे लोगों के बीच अचानक अफरा-तफरी का माहौल बन जाता है। इसके बाद कई युवा दोनों तरफ से पथराव शुरू कर देते हैं। वीडियो में कुछ पुलिसकर्मी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए तेजी से आगे बढ़ते दिखाई देते हैं। इस दौरान कुछ लोग इधर-उधर भागते नजर आते हैं, जबकि एक-दो युवक सड़क पर गिरते भी दिखाई देते हैं।

पुलिसकर्मी भीड़ को पीछे हटाने और रास्ता खाली कराने का प्रयास करते नजर आते हैं। आसपास मौजूद लोग मोबाइल फोन से घटना का वीडियो बनाते दिखते हैं। इसी तरह घटना का दूसरा वीडियो 02.38 सेकंड का है।

इसमें बेगमगंज में ही डायमंड ज्वेलर्स के बाहर जुलूस के दौरान बीच सड़क पर एक युवक के साथ मारपीट होती दिखाई दे रही है। वीडियो में बड़ी संख्या में लोग मौके पर मौजूद हैं। कुछ लोग युवक को लाठी-डंडों से पीटते नजर आते हैं, जबकि आसपास मौजूद लोग बीच-बचाव और शोर-शराबा करते दिखाई देते हैं। यह वीडियो किस कारण हुई मारपीट का है और इसमें शामिल लोग कौन हैं,पुलिस इसकी जांच कर रही है।ठीक इसी तरह घटना के तीसरे 01.46 सेकंड के वायरल वीडियो में जुलूस में अचानक हंगामा और मारपीट का दृश्य दिखाई दे रहा है। वीडियो किसी ऊंची इमारत से बनाया गया है, जिसमें सड़क पर बड़ी संख्या में लोग जुलूस के साथ चलते नजर आ रहे हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि जुलूस के बीच अचानक कुछ लोग आपस में भिड़ जाते हैं। देखते ही देखते कई लोग एक युवक को घेर लेते हैं और उसके साथ धक्कामुक्की व मारपीट होने लगती है। इस दौरान मौके पर अफरातफरी मच जाती है। हंगामे के दौरान कुछ देर के लिए जुलूस भी प्रभावित होता दिखाई देता है।

बाद में लोग एक-दूसरे को अलग करते हैं और स्थिति धीरे-धीरे सामान्य होती नजर आती है। इस मामले में डीसीपी सेंट्रल अतुल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुए हैं, जिसमें कुछ युवक जुलूस के दौरान आपस में झड़प करते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो का संज्ञान लेते हुए थाना बजरिया पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर लिया गया है। प्रकरण की विस्तृत विवेचना की जा रही है। घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है, फिर भी कानून-व्यवस्था के दृष्टिगत अब तक तीन व्यक्तियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

# पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में की गई जन-सुनवाई

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी द्वारा कार्यालय में की जन-सुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान जनता की अहिकायतो हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जनसमस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर दर्ज कर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे समयबद्ध व प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करें। शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु पुलिसकर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि विलंब किसी भी स्थिति में न हो और प्रत्येक शिकायतकर्ता को समाधान से अवगत कराया जाए।जन-सुनवाई में आए प्रत्येक आगंतुक से सम्मानजनक व्यवहार करने, उन्हें बैठने हेतु उचित व्यवस्था देने एवं उनकी समस्याएं धैर्यपूर्वक सुनने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही स्थानीय स्तर पर बार-बार उत्पन्न होने वाली समस्याओं के स्थायी समाधान हेतु प्राथमिकता से कार्य करने के निर्देश भी दिए गए।

बाबा बड़े दयालू है ओम नमः शिवायः बाबा बड़े दयालू है
बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स
हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।
(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)
24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

Jai Ambey Traders
ABDOMINAL BELT
WARM BAG
CARE-TEX
OUR MISSION IS PATIENT CARE
ORDER ONLINE ON amazon
COMPRESSOR NEBULIZER
ARM SLING POUCH
WRIST BAND
THERMOMETER
WRIST BINDER
STETHOSCOPE
SOFT CERVICAL COLLAR
KNEE CAP
ELBOW SUPPORT
ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com
7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401
Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

अकाना होम डेवलपर्स
आवासीय प्लाट
हमारी साईट :
पाली
मंझावन
रमईपुर
सेन पश्चिम पारा
नौबस्ता आवास विकास
जाजमऊ गंगापुर
पता- 34, सुभाष कॉम्पलेक्स, मधुलोक हॉस्पिटल चौराहा, नौबस्ता, कानपुर नगर
Mob. : 9000531538

# रेस्टोरेंट के संचालक से कर्मचारी व उसके पिता ने मिलकर की 62000 की धोखाधड़ी

- » धोखाधड़ी करने के बाद मोबाइल स्विच ऑफ कर रेस्टोरेंट से हुआ फरार
- » पहले स्कूटी मरम्मत कराने के नाम पर लिए 10000
- » पत्नी के स्तन में गांठ बता ऑपरेशन के नाम पर ठगे 30000
- » बुकिंग कराने आए कस्टमर से भी की 22000 की डिजिटल धोखाधड़ी

» बीपीएस न्यूज

फोटो ए आई जेनरेटेड

कानपुर। नौबस्ता दासु कुआं स्थित साहू जी महाराज रेस्टोरेंट के संचालक सुरेश साहू ने बताया कि रेस्टोरेंट में काम करने वाले कर्मचारी सुमित कश्यप व उसके पिता अरुण कुमार कश्यप ने मिलकर धोखाधड़ी की है। व्यक्तिगत परेशानी बता कर पहले 10000 अपनी स्कूटी की मरम्मत कराने के नाम से ले लिया। उसके बाद 31 मई को रोने लगा और बहाना बनाते हुए कहा कि मेरी पत्नी के स्तन में गांठ है। जिसका मेजर ऑपरेशन कराना है। और मुझे 30000 की सख्त आवश्यकता है। इस प्रकार संचालक को भावनात्मक रूप से बेवकूफ बनाते हुए 40000 ऐंठ लिए।उसके बाद 6 जून 2026 को रेस्टोरेंट में होने वाली एक पार्टी के आयोजन हेतु कर्मचारी सुमित कश्यप ने रेस्टोरेंट मालिक यानी मुझसे बिना बताए पार्टी के मुख्य आयोजक विजय प्रताप सिंह जिनका मोबाइल नंबर 9795 414841 से संपर्क किया और दो बार में 12000 एवं 10000 कुल 22000 रुपए की धनराशि गुपचुप तरीके से अपने निजी यूपीआई आईडी (त्त2376683353्र4ड्ड्य) में प्राप्त कर ली।संचालक सुरेश साहू ने यह भी बताया कि कर्मचारी सुमित कश्यप ने अवैध डिजिटल भुगतान को वैध दर्शाने और ग्राहकों को भ्रमित करने की नीयत से अपने निजी यूपीआई खाते के नाम में फर्जी तरीके से मेरे प्रतिष्ठान का नाम न्यू साहू फैमिली रेस्टोरेंट जोड़ दिया। जबकि वह बैंक खाता पूरी तरह से व्यक्तिगत सुमित कश्यप का था इस प्रकार कुल 62000 की धोखाधड़ी करते हुए रेस्टोरेंट से फरार हो गया। मैंने उसके मोबाइल नंबर पर बात करने के लिए कई बार काल किया। तो फोन स्विच ऑफ बताने लगा। तब मुझे अपने ठगे व धोखाधड़ी हो जाने का एहसास हुआ।संचालक सुरेश साहू ने बताया कि घटना 31 मई से 5 जून के बीच की है। 6 जून को उक्त घटना की जानकारी बसंत विहार चौकी इंचार्ज व नौबस्ता थाना प्रभारी बहादुर सिंह को प्रार्थना पत्र के माध्यम से दिया।

जिस पर थाना प्रभारी के आदेश पर 15 जून को एफआईआर दर्ज कर ली गई। थाना प्रभारी ने एफआईआर दर्ज करते हुए कहा कि आप परेशान ना हो वह जल्द ही पकड़ा जाएगा।घटना के संबंध में पूंछने पर बीपीएस न्यूज़ संवाददाता को थाना प्रभारी बहादुर सिंह ने बताया कि लड़के की तलाश में घर गए थे, लेकिन वह घर में नहीं मिला, क्योंकि वह घर से भागा हुआ है, पिता ने बताया कि वह घर से अलग रहता है, लेकिन कहां रहता है यह पता नहीं, उसके पिता को नोटिस तामील करा दी गई है।

# आरपीएफ दरोगा के साहस और चेतना ने बचाई युवक की जान

- » चलती ट्रेन से उतरने वाले युवक का पैर फिसला, आने ही वाला था ट्रेन के नीचे
- » पांच सेकेंड में दरोगा ने युवक का हाथ पकड कर खींचा, अन्यथा मौत थी तय

» बीपीएस न्यूज

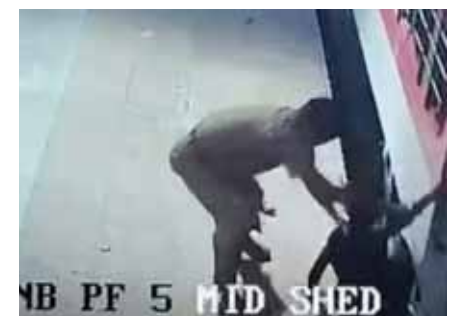




कानपुर। एक आरपीएफ दरोगा के साहस और उसकी बुद्धि चेतना के चलने एक युवक की उस समय जान बच सकी, जब युवक चलती ट्रेन से नीचे उतरने के प्रयास से लडखडा गया और गिर गया। ट्रेन गेट के ग्रील को पकडे युवक पहले तो घसिटा फिर ट्रेन के नीचे फंसने ही वाला था कि वहां खडे आरपीएफ दरोगा ने एक झटके में युवक को पकड कर खींच लिया जिससे उसकी जान बच गयी।

मारने वाले से बचाने वाला महान होता है यह कहावत तो आपने सुनी ही होगी, लेकिन कानपुर सेंट्रल में एक युवक की जान बचाने वाला एक आरपीएफ दरोगा था। चलती ट्रेन से उतरते युवक के गिरने और ट्रेन की चपेट में आने से पहले महज पांच सेकेण्ड में एक दरोगा ने युवक को पकड कर खींच लिया जिससे उसकी जान बच गयी। उसकी इस जांबाजी से उपस्थित लोगों ने ताली बजाकर उनकी तारीफ की। गाडी संख्या 12382 के प्लेटफार्म पर आते ही युवक ने चलती ट्रेन से उतरने का प्रयास किया था। यह तो अच्छा था कि रेलवे सुरक्षा बल के उपनिरीक्षक अनिल कुमार गौतम की तत्काल प्रयास से युवक की जान बची, अन्यथा बडा हादसा हो सकता था।घटना की रिकार्डिंग प्लेटफार्म पर लगे सीसी टीवी कैमरे में रिकार्ड हो गयी। रेलवे अधिकारियों ने दरोगा की तारीफ करते हुए कहा कि यह सारी घटना महज पांच सेकेण्ड मं हुई, लेकिन अनिल कुमार की बुद्धिमतता के चलते युवक की जान बच सकी। वहीं यात्रियों से अपील भी की गयी, कि इस प्रकार से ट्रेन में चढने तथा उतरने का प्रयास जान को जोखिम में डालना हो सकता है। ट्रेन के प्लेटफार्म पर पूरी तरह रूकने के बाद ही यात्री चढने व उतरने का काम करे और सावधानी बरतें ताकि कोई अप्रीय घटना न घट सके।

# जब औलाद ने छोड़ा साथ, तो कानून ने थामा हाथ!

## बीपीएस न्यूज़, विशेष कानूनी जागरूकता अभियान

## बुढ़ापे की लाठी- कानपुर में डॉ. धीरेंद्र कुमार दोहरे ने दिलाया बुजुर्गों को हक

**बुढ़ापे की लाठी–यह महज़ एक मुहावरा नहीं, बल्कि हर माता-पिता की वह उम्मीद है जो वे अपनी औलाद से पालते हैं। लेकिन आज के दौर में जब यह 'लाठी' कमजोर होने लगती है या साथ छोड़ देती है, तब 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007' बुजुर्गों के लिए असली लाठी बनकर खड़ा होता है।**

हर माता-पिता अपनी पूरी जिंदगी की कमाई, अपनी खुशियां और अपनी ताकत बच्चों को पालने में लगा देते हैं। वे सोचते हैं कि यही बच्चे उनके बुढ़ापे की लाठी बनेंगे। लेकिन आज समाज की हकीकत बदल रही है। संपत्ति हाथ में आते ही बच्चे माता-पिता को बोझ समझने लगते हैं। वक्त पर इलाज, दो वक्त की रोटी और सम्मान के लिए बुजुर्गों को तरसा दिया जाता है। कई बार तो उन्हें अपने ही घर से बेदखल कर दिया जाता है।




### जब कानून बना बुढ़ापे की असली लाठी

कानपुर में सुलह अधिकारी डॉक्टर धीरेंद्र कुमार दोहरे ने इस कानून के जरिए कई बेसहारा और प्रताड़ित बुजुर्गों को उनका हक दिलाकर इस शब्द को सच साबित किया है। सुलह अधिकारी ने इस कानून को सिर्फ फाइलों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि इसे जमीन पर उतारा है। बच्चों को उनकी कानूनी जिम्मेदारी याद दिलाकर बुजुर्गों को उनके ही घर में वापस सम्मानजनक स्थान दिलाया। जिन बुजुर्गों के पास आय का साधन नहीं था, उन्हें बेटों की जेब से 'मासिक गुजारा भत्ता' दिलवाकर आत्मनिर्भर बनाया। जो बच्चे प्रॉपर्टी नाम करवाकर माता-पिता को भूल गए थे, उन्हें धारा 23 का डर दिखाकर सीधे समझौते की मेज पर लाए। सुलह अधिकारी के पास लगातार मामले आ रहे हैं, जिनमे से अधिकांश मामलों में उन्होंने सुलह कराकर निपटाया, उनमे से कुछ मामले इस तरह से हैं।

### मामला नंबर-1 एम आई जी बर्रा (थाना गुजैनी) कानपुर

बुजुर्ग माता-पिता को तंग करने वाले बेटे-बहू को कोर्ट की दोटूक- 'या तो शांति से रहो, या मकान खाली करो'

एक मामला बर्रा थाना क्षेत्र के गुजैनी (एमआईजी) से सामने आया है, जहाँ आए दिन के घरेलू क्लेश से परेशान एक बुजुर्ग दंपति को आखिरकार एसडीएम कोर्ट से न्याय मिला।

कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए बेटे-बहू को सुधरने या घर खाली करने की दोटूक चेतावनी दी है।

गुजैनी निवासी 66 वर्षीय रामकृष्ण ने बताया कि उनका बड़ा बेटा विजय वर्मा अपनी पत्नी के साथ आए दिन लड़ाई-झगड़ा करता रहता था। बेटे-बहू के इस रोज-रोज के विवाद से रामकृष्ण और उनकी पत्नी का जीना मुहाल हो गया था और वे भारी मानसिक तनाव में जी रहे थे। जब बुजुर्ग माता-पिता ने इस पर आपत्ति जताई और उन्हें टोकने का प्रयास किया, तो बेटे-बहू सुधरने के बजाय बुजुर्गों को ही मारपीट करने की धमकी देने लगे।

इस प्रताड़ना से तंग आकर रामकृष्ण ने अपने एक मित्र से सलाह ली। मित्र ने उन्हें 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' के बारे में जानकारी दी। इसके बाद बुजुर्ग पिता ने कानपुर एसडीएम कोर्ट में अपने ही बेटे और बहू के खिलाफ वाद दाखिल कर दिया।

मामले की सुनवाई करते हुए सुलह अधिकारी डॉ. धीरेंद्र कुमार दोहरे ने दोनों पक्षों को कोर्ट में तलब किया। बुजुर्ग माता-पिता की व्यथा सुनने के बाद उन्होंने बेटे-बहू को कड़ी फटकार लगाई और आदेश जारी किया।

पति-पत्नी दोनों लोग शांतिपूर्वक तरीके से पिता के घर में रहें। यदि भविष्य में दोबारा विवाद हुआ या बुजुर्गों को परेशान किया गया, तो उन्हें तत्काल मकान खाली करना होगा।

कोर्ट की इस सख्त हिदायत के बाद आरोपी पुत्र विजय वर्मा के तेवर ढीले पड़ गए। उसने कोर्ट के सामने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माना कि उसके और उसकी पत्नी के आपसी झगड़ों के कारण माता-पिता हमेशा तनाव में रहते हैं।

विजय ने लिखित आश्वासन देते हुए कहा कि वे भविष्य में कभी भी आपस में लड़ाई-झगड़ा नहीं करेंगे और न ही अपने माता-पिता को किसी भी तरह से परेशान करेंगे।

एसडीएम कोर्ट के इस फैसले से बुजुर्ग दंपति ने राहत की सांस ली है, वहीं यह मामला समाज के उन लोगों के लिए भी एक सबक है जो बुजुर्गों को बोझ समझकर प्रताड़ित करते हैं।

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत यदि कोई बुजुर्ग प्रताड़ित है या उसे उसका हक नहीं मिल रहा है, तो तुरंत मदद लें।

**राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबरः 14567** (टोल-फ्री) इस नंबर पर कॉल करके बुजुर्ग अपने अधिकारों, भरण-पोषण और सुरक्षा से जुड़ी कानूनी जानकारी व मदद पा सकते हैं।

### मामला नंबर : 2 यशोदा नगर, मछरिया, कानपुर

जब औलाद ने छोड़ा साथ, तो कानून ने थामा हाथ! बुजुर्ग माता-पिता को एसडीएम कोर्ट से मिला न्याय

प्रेमनाथ उम्र 66 वर्ष पीड़ित बुजुर्ग पिता ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि उन्होंने साल 2017 में अपने बड़े बेटे नितिन कुमार की शादी बड़े ही अरमानों के साथ की थी। लेकिन शादी के महज दो साल बाद ही बेटे का रंग बदल गया। बेटा नितिन शादी के दो साल बाद ही माता-पिता से अलग रहने लगा। अलग होने के बाद भी बेटे का विवाद खत्म नहीं हुआ। वह न सिर्फ अपने बुजुर्ग माता-पिता को प्रताड़ित करने लगा, बल्कि घर के खर्चों में भी किसी तरह का सहयोग करने से साफ मना कर दिया।

#### जब 'कानून' बना बुजुर्गों का सहारा

बुढ़ापे के इस पड़ाव पर जहां यह बुजुर्ग दंपति पूरी तरह टूट चुका था, तभी उन्हें न्याय की एक किरण दिखाई दी। कुछ महीने पहले उन्हें माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 (Maintenance and Welfare of Parents and Senior Citizens Act, 2007) के बारे में जानकारी मिली। इस कानून की ताकत को जानकर पीड़ित माता-पिता ने बिना देर किए एसडीएम कोर्ट, कानपुर में न्याय की गुहार लगाते हुए वाद दाखिल कर दिया।

#### सुलह अधिकारी ने कराया न्याय का अहसास

एसडीएम कोर्ट से यह संवेदनशील मामला सुलह अधिकारी डॉ. धीरेंद्र कुमार दोहरे के पास पहुंचा। डॉक्टर धीरेंद्र कुमार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए दोनों पक्षों (माता-पिता और बेटे) को कोर्ट में तलब किया। सुलह अधिकारी ने दोनों पक्षों की बातों को बेहद बारीकी और संवेदनशीलता से सुना। बुजुर्ग माता-पिता के साथ हो रहे अन्याय को देखते हुए कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया और 60 दिनों के भीतर बेटे को घर से बेदखल करने का आदेश जारी कर दिया।

#### बेटे ने भी मानी हार

कानून के सख्त रुख और सुलह अधिकारी की समझाइश के बाद बेटे नितिन को भी अपनी गलती का अहसास हुआ (या कानून के आगे झुकना पड़ा)। उसने अदालत में लिखित समझौता स्वीकार करते हुए कहा कि–हमें यह फैसला मंजूर है, हम इस घर में नहीं रहेंगे और घर के बाहर कहीं भी अपना आशियाना ढूंढ लेंगे। कानपुर का यह मामला समाज के उन तमाम बुजुर्गों के लिए एक बड़ी मिसाल है, जो अपनी ही औलाद के अत्याचार को चुपचाप सहते रहते हैं। यह कहानी साबित करती है कि अगर औलाद अपनी जिम्मेदारी भूल जाए, तो देश का कानून बुजुर्गों की रक्षा के लिए हमेशा तैयार खड़ा है।

### मामला नंबर 3 : सिद्धार्थनगर, बिनगवां (थाना सेन पश्चिम पारा) कानपुर

एसडीएम कोर्ट में सुलह- माता-पिता को 2000 महीना देगा बेटा, पत्नी को साथ रखने पर छोड़ना होगा घर

मूलनारायण पाल उम्र 63 वर्ष एक बुजुर्ग पिता को आखिरकार एसडीएम कोर्ट और सुलह अधिकारी के प्रयासों से न्याय और मानसिक शांति मिल गई है। 'माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007' के तहत दायर इस मामले में दोनों पक्षों के बीच एक अनोखा समझौता हुआ है।

#### 20 साल से सब्जी बेचकर बनाया था आशियाना

पीड़ित पिता ने बताया कि वह पिछले 20 वर्षों से समाधि पुलिया पर सब्जी की दुकान लगाकर परिवार का जीवनयापन कर रहे हैं। करीब 12 साल पहले उन्होंने मेहनत की कमाई से सोसाइटी में 60 गज का एक प्लॉट खरीदा था, जिसमें वे अपने परिवार के साथ रहते हैं। 9 साल पहले उन्होंने अपने बेटे राम जी उम्र 35 वर्ष की शादी की थी। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही बेटा और बहू आए दिन उनके साथ लड़ाई-झगड़ा और मारपीट करने लगे। इतना ही नहीं, बेटा घर के खर्चों में भी कोई सहयोग नहीं करता था।

#### परेशान होकर खटखटाया कोर्ट का दरवाजा

रोज-रोज के क्लेश से तंग आकर जब बुजुर्ग को कानूनी अधिकारों का पता चला, तो उन्होंने एसडीएम कोर्ट कानपुर में वाद दाखिल किया। बुजुर्ग ने अपने भरण-पोषण की मांग के साथ ही बेटे को अपनी संपत्ति से बेदखल करने की गुहार लगाई। उन्होंने कोर्ट को यह भी सूचित किया कि बहू कई बार बिना बताए घर से भाग चुकी है और वर्तमान में वह कहां है, इसकी भी जानकारी नहीं है।

#### सुलह अधिकारी की मध्यस्थता से हुआ अनूठा समझौता

मामले की गंभीरता को देखते हुए सुलह अधिकारी डॉ. धीरेंद्र कुमार दोहरे ने दोनों पक्षों को कोर्ट में तलब किया। काफी समझाने-बुझाने के बाद दोनों पक्षों के बीच निम्नलिखित शर्तों पर लिखित समझौता हुआ- बेटा हर महीने अपने पिता के बैंक खाते में 2,000 की धनराशि भरण-पोषण के रूप में जमा कराएगा। इस शर्त के बाद पिता अपने बेटे को संपत्ति से बेदखल नहीं करेंगे। पिता ने साफ कहा कि बेटा और उसके दोनों बच्चे घर में रह सकते हैं, लेकिन वह बहू को इस घर में नहीं रहने देंगे। बेटे ने भी पिता की इस शर्त को स्वीकार कर लिया। बेटे ने कोर्ट में कहा कि वह अपने दोनों बच्चों के साथ पिता के घर में रहेगा और 2,000 प्रति माह देगा। यदि वह भविष्य में अपनी पत्नी को वापस लाता है, तो वह पिता का घर छोड़कर बाहर किराए के मकान में रहने चला जाएगा।

#### डॉ. धीरेंद्र कुमार दोहरे, सुलह अधिकारी ने बीपीएस न्यूज़ को बताया

माता-पिता का सम्मान और बुढ़ापे में उनकी देखभाल करना बच्चों का कानूनी व नैतिक कर्तव्य है। दोनों पक्षों को बैठाकर काउंसलिंग की गई, जिसके बाद परिवार को टूटने से बचाते हुए यह सर्वसम्मत समझौता कराया गया है।

**'बीपीएस न्यूज़' की अपील: अपने आस-पास के बुजुर्गों को इस अधिकार के प्रति जागरूक करें।**

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।